तापमान
अधिकतम 21.0 डिग्री
न्यूनतम 6.0 डिग्री

हरिभूमि
जींद-कैथल भूमि

रोहतक, रविवार, 21 दिसंबर 2025

10 देवीलाल चौक अंडरपास के खतरनाक ब्रेकर.....

10 छात्रों को स्वस्थ जीवन शैली अपनाने और समाज....

खबर संक्षेप

गांव भिड़ताना में संदिग्ध हालात में व्यक्ति की मौत

जींद। गांव भिड़ताना में बीती रात संदिग्ध हालात में व्यक्ति की मौत हो गई। पिल्लूखेड़ा थाना पुलिस ने इत्तफाकिया कार्रवाई कर शव का पोस्टमार्टम करा परिजनों को सौंप दिया है। गांव भिड़ताना निवासी दिलशेर (35) की बीती देर रात अचानक तबीयत बिगड़ गई। जिसके चलते परिजनों द्वारा उसे नागरिक अस्पताल लाया गया। जहां पर चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

बुजुर्ग को बातों में उलझा सोने की अंगूठी हड़पी

जींद। जुलाना बाइक सवार युवकों ने एक बुजुर्ग को बातों में उलझा कर उसकी सोने की अंगूठी हड़प ली और फरार हो गए। जुलाना थाना पुलिस ने बुजुर्ग की शिकायत पर अज्ञात बाइक सवार लोगों के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जुलाना के वार्ड नंबर तीन निवासी रामधन (83) ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह बाजार से घर लौट रहा था। उसी दौरान बाइक सवार युवकों ने रोक कर बातों में उलझा लिया।

रंजिशन हमला करने पर 7 के खिलाफ केस

जींद। सफीदों रेलवे स्टेशन के निकट रास्त रोक युवक पर हमला कर घायल करने पर शहर थाना सफीदों पुलिस ने सात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। गांव सरफाबाद निवासी महेश ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसके भतीजे जसवंत की गांव छाप्पर निवासी अजय से रंजिश चली आ रही है। उसी के चलते अजय तथा उसके साथियों ने रेलवे स्टेशन के निकट जसवंत को घेर लिया और हमला कर दिया।

गेहूं, सरसों और सब्जियों के लिए ठंड फायदेमंद, धुंध के चलते ट्रेन हो रही लेट, ठिठुरते स्कूल पहुंचे विद्यार्थी

हाड़ कंपकंपा देने वाली ठंड से नहीं मिल रही राहत

कडाके की ठंड-शीतलहर को लेकर स्वास्थ्य विभाग ने जारी की एडवाइजरी

सुबह के समय छाया घना कोहरा, दृश्यता रही पांच मीटर से कम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

हाड कंपकपा देने वाली ठंड से शनिवार को कोई राहत नहीं मिली। सुबह के समय घनी धुंध तथा कोहरे का प्रकोप जारी रहा। जिसका सीधे तौर पर जनजीवन पर असर पड़ रहा है। शनिवार को दोपहर तक धुंध छाई रही और दो बजे सूर्य देवता के दर्शन हुए। शनिवार को अधिकतम तापमान 21 डिग्री तो न्यूनतम तापमान छह डिग्री दर्ज किया गया। मौसम में आद्रता 89 प्रतिशत जबकि हवा की गति 5 किलोमीटर प्रति घंटा दर्ज की गई। मौसम विभाग के अनुसार रविवार को धुंध व कोहरा छाने के साथ दिन में बादलवाई भी बनी रहेगी। शनिवार को दिन का आगाज घनी धुंध व कोहरे तथा कडाके की ठंड के साथ हुआ। सुबह के दौरान हालात यहां तक रहे कि पांच मीटर दूर का भी दिखाई नहीं दे रहा था। यातायात के साधन एक-दूसरे के पीछे लाइट जला कर चलते दिखाई दिए। दोपहर बाद दो बजे सूर्य देवता ने आसमान से दर्शन दिए तो धुंध व कोहरे का असर कम हुआ। ऐसे हालातों में लोगों को सुबह के समय जगह-जगह अलाव सेकते देखा गया। ठंड तथा कोहरे का असर जनजीवन पर साफ देखने को मिला। लोगों ने जल्दी से काम निपटाए और घरों में घुस गए। धुंध के चलते ट्रेन लेट हो रही हैं। शनिवार को ट्रेन नंबर 20423 छिंदवाड़ा एक्सप्रेस सुबह छह बजकर सात मिनट की जगह 10 बजकर दो मिनट पर जींद पहुंची। वहीं ट्रेन नंबर 20424 सुबह आठ बजकर 56 मिनट की जगह 10 बजकर 56 मिनट पर जींद जंक्शन पर पहुंची। सरभ दा भला 22479 सुबह नौ बजे की जगह 10 बजकर 45 मिनट पर जींद पहुंची। वहीं ट्रेन नंबर 14024 कुरुक्षेत्र-दिल्ली डीएमयू ट्रेन सुबह आठ बजकर चार मिनट की जगह आठ बजकर 54 मिनट पर पहुंची। ट्रेन नंबर 15733 फरक्का एक्सप्रेस सुबह नौ बजकर 18 मिनट की जगह दस बजकर 17 मिनट पर जींद पहुंची। ट्रेन नंबर 12455 बीकानेर सुपरफास्ट एक्सप्रेस रात 12 बजकर 26 मिनट की जगह एक बजकर 32 मिनट पर जींद पहुंची। ट्रेन नंबर 20409 बठिंडा सुपरफास्ट एक्सप्रेस सुबह नौ बजकर 37 मिनट की जगह 11 बजकर 24 मिनट पर जींद पहुंची। ट्रेन नंबर 12482 इंटरसिटी एक्सप्रेस सुबह 11 बजे की जगह दोपहर 12:20 पर पहुंची। वहीं ट्रेन नंबर 15910 अवध-आसाम एक्सप्रेस सुबह 4: 27 की जगह 6 : 24 पर जींद पहुंची। ट्रेन नंबर 15910 शाम सवा 6 की जगह रात साढ़े 8 बजे जींद जंक्शन पर पहुंचने की संभावना है। इस समय जो ठंड पड़ रही है वो गेहूं, सरसों तथा सब्जियों की फसल के लिए फायदेमंद मानी जा रही है लेकिन तापमान ओसतन से नीचे जाता है तो यह सरसों तथा सब्जियों के खतरा बन जाएगा। ठंड के चलते बेल वाली सब्जियां ठंड से झुलसने लगेंगी। वहीं अगर इस समय बारिश हो जाती है तो फसलों को और ज्यादा लाभ पहुंचेगा। पांडू पिंडारा कृषि विज्ञान केंद्र के मौसम वैज्ञानिक डा. राजेश ने ठंड को देखते उन्होंने किसानों को सलाह दी कि शाम को फसलों में हलकी सिंचाई करें। इसके साथ ही घनी सर्दी के मौसम में मिट्टी में पोषक तत्व न डालें। क्योंकि जड़ों की कम गतिविधियों से पौधा अवशोषित नहीं कर पाता है। किसान मौसम पूर्वानुमान पर ध्यान दें।

राजौंद। धुंध में लाइट जलाकर सड़कों पर चलते वाहन। फोटो :हरिभूमि

जींद। कडाके की ठंड के बीच स्कूल जाते बच्चे। फोटो :हरिभूमि

विटामिन सी पदार्थ खाएं : पीएमओ

नागरिक अस्पताल के प्रधान चिकित्सा अधिकारी डा. रघुवीर पूनिया ने बताया कि पर्याप्त रोग प्रतिरोधक क्षमता बनाए रखने के लिए विटामिन सी से भरपूर फल और सब्जियां खाएं। गर्म तरल पदार्थ नियमित रूप से पीएं, इससे ठंड से लडने के लिए शरीर की गर्मी बनी रहेगी। वहीं बुजुर्ग लोगों, नवजात शिशुओं तथा बच्चों का विशेष ध्यान रखें एवं ऐसे पडोसी जो अकेले रहते हैं, विशेषकर बुजुर्ग लोगों का हाल चाल पूछते रहें। जरूरत के अनुसार ही रूम हीटर का प्रयोग करें लेकिन रूम हीटर के प्रयोग के दौरान पर्याप्त हवा निकासी का प्रबंध रखें। बंद कमरों में कोयले को जलाना खतरनाक हो सकता है। क्योंकि यह कार्बन मोनोऑक्साइड जैसी जहरीली गैस पैदा करती है। शराब का सेवन न करें, यह शरीर की गर्माहट को कम करता है, यह खून की नसों को पतला कर देता है, विशेषकर हाथों से जिसमें हाइपोथर्मिया का खतरा बढ़ जाता है।

पानी में भीगने से बचें

कडाके की ठंड व शीत लहर के चलते शीत घात से बचाव को लेकर जिला प्रशासन ने सरकार के निर्देशानुसार विशेष एडवाइजरी जारी की है। डीसी मोहम्मद इमरान रजा ने आम नागरिकों से शीतलहर व सर्दी से बचाव के लिए सावधानी बरतने की बात कही है। शीत घात से बचने के लिए पर्याप्त कपड़ों का स्टॉक करें। घर में ठंडी हवा के प्रवेश रोकने हेतु दरवाजों तथा खिड़कियों को ठीक से बंद रखें। फ्लू, नाक बहना, भरी नाक या नाक बंद जैसी विभिन्न बीमारियों की संभावना आमतौर पर ठंड में लंबे समय तक संपर्क में रहने के कारण होती हैं। इस तरह के लक्षणों से बचाव हेतु आवश्यक सावधानी बरतें तथा स्थानीय स्वास्थ्य कर्मियों या डॉक्टर से परामर्श करें। जितना हो सके घर के अंदर रहें और ठंडी हवा, बारिश, बर्फ के संपर्क में आने से बचने के लिए कम से कम यात्रा करें। गर्म कपड़े पहनें ताकि ठंड बिल्कुल न लगे। खुद को सूखा रखें और पानी में भीगने से बचें। शरीर की गरमाहट बनाए रखने हेतु अपने सिर, गर्दन, हाथ और पैर की उंगलियों को पर्याप्त रूप से ढक कर रखें। गीले कपड़े तुरंत बदलें।

सीवन। सुनसान पड़ा मेन बाजार। फोटो :हरिभूमि

सीवनः दिनभर नहीं निकली धूप, लोग घरों में कैद

सीवन। क्षेत्र में सर्दी अपने चरम पर पहुंच चुकी है। शनिवार को पूरे दिन धूप के दर्शन नहीं हुए, जिससे ठंड का असर और भी अधिक बढ़ गया। सुबह की शुरुआत घने कोहरे और तेज सर्द हवाओं के साथ हुई। दृश्यता बेहद कम रहने के कारण सड़कों पर वाहनों की आवाजाही भी काफी प्रभावित रही। लोग अत्यधिक ठंड के कारण अपने घरों में ही दुबके रहने को मजबूर नजर आए। ठंड के चलते जनजीवन पूरी तरह से अस्त-व्यस्त दिखाई दिया। आम दिनों में चहल-पहल से भरा रहने वाला बाजार दिनभर लगभग सुनसान पड़ा रहा। अधिकांश दुकानदारों ने समय से पहले ही अपनी दुकानें बंद कर दीं। केवल चाय की दुकानों पर ही इक्का-दुक्का ग्राहक गर्म चाय का सहारा लेते हुए नजर आए। स्कूल जाने वाले बच्चों और बुजुर्गों को सबसे अधिक परेशानी का सामना करना पड़ा। कई अभिभावकों ने बच्चों को ठंड के कारण घर पर ही रोकना बेहतर समझा। वहीं, बुजुर्ग और बीमार लोग ठंड से बचाव के लिए घरों में अलाव और गर्म कपड़ों का सहारा लेते दिखे। मौसम विभाग के अनुसार आने वाले दिनों में ठंड से राहत मिलने की संभावना कम है। कोहरा और ठंडी हवाएं इसी तरह बनी रह सकती हैं। प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि वे अत्यधिक ठंड के दौरान सावधानी बरतें, अनावश्यक रूप से घर से बाहर न निकलें और गर्म कपड़ों का उपयोग करें। कुल मिलाकर कड़ाके की ठंड और घने कोहरे ने आम जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित कर दिया है।

राजौंदः शीत लहर का प्रकोप लगातार जारी

राजौंद। क्षेत्र में ठंड का मौसम पूरे यौवन पर पहुंच चुका है। ठंड के चलते जहां लोग घरों में दुबकने को मजबूर होकर रह गए है। वही मूंगफली, रेवड़ी, गचक के साथ साथ गर्म कपड़ों की मांग भी बड़ गई है। पूरा दिन कोहरे व शीत लहर का प्रकोप जारी रहा। शनिवार को पूरा नगर कोहरे की सफेद चादर में ढका रहा, दिनभर सूर्य देव के दर्शन नहीं हुए, इससे लोगों की दिनचर्या पूरी तरह प्रभावित होकर रह गई। आलम यह रहा कि शीत लहर के कारण लोगों का आवागमन दिन प्रतिदिन घटता जा रहा है। सुबह से शाम तक नगर के बाजारों चौराहों व सड़कों पर लोगों का आवागमन काफी कम हो गया है। उधर इस ठंड को लेकर मेन बाजार के दुकानदार रमेश गुप्ता, चरणजीत, सुभाष रावल, विरेंद्र शर्मा, अमन शर्मा, राहुल छाबड़ा, हैप्पी मित्तल, दिलबाग ढुल ने बताया कि सर्दी के कारण लोगों का आवागमन काफी घट गया है। उन्होंने बताया कि दिसंबर व जनवरी महीने में बाजारों में लोगों की भीड़ काफी कम हो जाती है। जिससे इन दिनों में दुकानदारों को मंदी का सामना करना पड़ता है। इनके अलावा गर्म कपड़ों के दुकानदारों ने बताया कि जैसे ही ठंड बढ़ी वैसे ही गर्म कपड़ों की मांग भी बढ़नी शुरू हो गई है। उन्होंने बताया कि ग्राहकों के मांग के अनुसार गर्म कपड़े लुधियाना व दिल्ली से मंगवाएं जाते है।

After a Wait of 15 Years, History Smiles Once Again upon Jind

राज्य स्तरीय विज्ञान प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता
आधारशिला प्रथम
दयाल सिंह पब्लिक स्कूल करनाल द्वितीय, आर.पी.एस. नारनौल तृतीय

WE ARE HIRING
Join AADHARSHILA FAMILY
• Position : Coordinators
Coaching Experts (Phy., Chem., Maths, Bio. & Foundation)
• PGTs, TGTs, PRTs (All Subjects), Reasoning & Spl. Edu.
• Non Teaching Staff, Aayas & Class IV Staff
Send Your CV to apshrjob@gmail.com
Only shortlisted candidates will be contacted.

APS AADHARSHILA
Affiliated to CBSE Nur. - 12th
AADHARSHILA
PUBLIC SCHOOL, JIND
.....A Foundation For Future

2025
28th DECEMBER
(Sunday 10:30 AM)
Scan for Syllabus

ASET
AADHARSHILA SCHOLARSHIP & ENTRANCE TEST
Classes 1st to 9th & 11th
Scholarship to 10 Best Achievers (Each Class)

JIND First Skill-Based Science SCHOOL

NEET | JEE | NDA
Foundation | VVM | Olympiads
Kota & Delhi are brought to Jind

Top-21
(Totally Free-11th)
» Medical » Non Medical
» Commerce » Humanities

जीन्द में
आधारशिला
रिज़ल्ट की पाठशाला

NEAR RAJAJI DHABA, NEW BYPASS, SAFIDON ROAD, JIND
apsharyana@gmail.com www.aadharshilajind.com
94677 95136, 93504 14716

खबर संक्षेप

अनाज मंडी से धान चुराते दो गिरफ्तार

जींद। शहर थाना पुलिस ने अनाज मंडी से धान चोरी करते दो युवकों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। अनाज मंडी के आढ़ती दीपक ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि बीती देर रात दो युवक उसकी दुकान से दो धान की बोरी चोरी कर ले जा रहे थे। भनक लगने पर दोनों युवकों को काबू कर लिया और पुलिस के हवाले कर दिया। पकड़े युवकों की पहचान जींद निवासी शिवाय व सुनील के रूप में हुई है।

सट्टा खाईवाल करते युवक गिरफ्तार

जींद। सदर थाना सफीदों पुलिस ने गांव खेड़ा खेमावती में एक युवक को सट्टा खाईवाल करते काबू कर उसके कब्जे से 1500 रुपये बरामद किए हैं। पुलिस आरोपित से पूछताछ कर रही है। सदर थाना सफीदों पुलिस को सूचना मिली थी कि गांव खेड़ा खेमावती निवासी गोल्डी गांव में सट्टा खाईवाल का कार्य करता है।

जरूरतमंद बच्चों को जूते वितरित किए

नरवाना। अग्रवाल वैश्य समाज द्वारा सर्दी के मौसम को देखते एसडी स्कूल पतराम नगर में जरूरतमंद बच्चों को जूते वितरित किए गए। प्रधान अर्जुन गोयल ने बताया कि स्कूल में पढ़ने वाले बच्चों की आवश्यकता को ध्यान में रखते जूते वितरित किए गए। प्राचार्या पूनम गुप्ता द्वारा अग्रवाल वैश्य समाज के द्वारा बच्चों के लिए किए गए सहयोग के लिए धन्यवाद व्यक्त किया व कहा कि संस्था हर समय बच्चों के लिए तैयार रहती है।

निबंध प्रतियोगिता में तनु ने मारी बाजी

उचाना। अखिल भारतीय निबंध प्रतियोगिता में श्री शिव मंदिर सनातन धर्म वमावि उचाना कलां की पांचवी कक्षा छात्रा तनु पुत्री विजयपाल ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। 11वीं कक्षा की छात्रा दिव्या पुत्री जगबीर ने पांचवा स्थान प्राप्त किया। प्राचार्य रणधीर ने कहा कि होनहार विद्यार्थी स्कूल, क्षेत्र की शॉन है। निरंतर शिक्षा के साथ-साथ हर क्षेत्र में विद्यार्थी प्रतिभा को साबित करने का काम कर रहे है।

देवभूमि बनभौरी धाम में भंडारा आज

उचाना। जय मां बनभौरी सेवा समिति के गठन को दो वर्ष पूरे होने पर 21 दिसंबर को देवभूमि बनभौरी माता भ्रामरी धाम पर भंडारा लगाया जाएगा। विकास मखंड ने बताया कि लगातार दो साल से शुक्ल पक्ष के पहले रविवार को उचाना से माता भ्रामरी धाम के लिए मुफ्त बस श्रद्धालुओं के लिए जाती है। सामाजिक कार्यों में भी समिति निरंतर हिस्सा लेती है। समिति द्वारा एक विशाल जागरण का आयोजन भी करवाया जा चुका है।

जो प्रलोभन से बचता है उसका मन मंदिर: मुनी

जींद। श्रद्धेय अरूण मुनि जी महाराज ने कहा कि अगर पीड़ाओं के आगे स्ट्रॉंग नहीं बने तो मानसिक पीड़ा होगी। धन्य है वो आत्मा जो प्रलोभनों से बचते हैं, जो बचता है वही पॉजीटिव होते हैं, वही जीवित होते हैं। हम प्रलोभनों की कठपुतली बने हुए हैं। हम स्वतंत्र हो जाएं। संसार में किसी के पीड़ा न हो दैट नॉट पॉसिबल। आपको मानसिक समाधि टिकानी हो तो प्रलोभन से बचें, जो प्रलोभन से बचता है उसका मन मंदिर बन जाता है।

ताला तोड़कर शराब की बोतलें तथा नकदी चोरी

जींद। गांव कोयल में बीती रात चोरों ने शराब सब बैंड का ताला तोड़ कर शराब की बोतलें, नगदी तथा फोन को चोरी कर लिया। गढ़ी थाना पुलिस ने शिकायत के आधार पर चोरी का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पातडा निवासी तरसेम ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसका गांव कोयल में शराब सब बैंड है।

दो युवती लापता, अज्ञात के खिलाफ मामला दर्ज

जींद। जिले में अलग-अलग स्थानों से दो युवतियों के संदिग्ध हालात में गायब होने पर संबंधित थाना पुलिस ने अज्ञात लोगों के खिलाफ मामले दर्ज किए हैं। पुलिस मामलों की जांच कर रही है। गांव बेलरखां निवासी एक व्यक्ति ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि गत दिवस उसकी बहन घर से गायब हो गई।

कैबिनेट मंत्री विधानसभा में चल रहे शीतकालीन सत्र के दौरान बोले

भ्रष्टाचार और अपराध की प्रदेश में कोई भी जगह नहीं: कृष्ण बेदी

सरकार की जनकल्याणकारी नीतियों का लाभ हर पात्र व्यक्ति तक पहुंच रहा

सरकार सख्त कानून व्यवस्था के साथ पारदर्शिता-जीरो टॉलरेंस नीति पर काम कर रही

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नरवाना

हरियाणा के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री कृष्ण कुमार बेदी ने कहा है कि भ्रष्टाचार और अपराध की प्रदेश में बिल्कुल जगह नही है। राज्य सरकार असामाजिक तत्वों की हरकत और भ्रष्टाचार की गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए पूर्णतया कटिबद्ध है और इस दिशा में निरंतर जीरो टॉलरेंस की नीति पर काम किया जा रहा है। कैबिनेट मंत्री कृष्ण कुमार बेदी शुक्रवार को विधानसभा में चल रहे शीतकालीन सत्र के दौरान बोल रहे थे। कैबिनेट मंत्री कृष्ण कुमार बेदी ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में चल रही राज्य सरकार द्वारा सुनिश्चित किया गया है कि सरकार की सभी जन कल्याणकारी नीतियों का लाभ पात्र व्यक्ति को लाजमी मिले साथ ही नीतियों का फायदा गरीब व्यक्ति तक पूरा और पारदर्शिता के साथ पहुंचे। सरकार द्वारा विकास परियोजनाओं के लिए अलॉट बजट का एक-एक पैसा संबंधित कार्य पर ही लगे। सरकार द्वारा यह भी सुनिश्चित किया गया है कि बजट में आवंटित धनराशि के उपयोग में भ्रष्टाचार की कोई गुंजाइश ना रहे। कैबिनेट मंत्री ने अपने भाषण में आगे कहा कि प्रदेश अपराध अपराधी असामाजिक तत्व तथा गुंडागर्दी से पूर्णतया मुक्त रहे, इसके लिए सरकार सख्त कानून व्यवस्था के साथ पारदर्शिता और जीरो टॉलरेंस नीति पर काम कर रही है। प्रदेश में अब असामाजिक तत्वों और अपराधियों के लिए सड़क व शहर में कोई जगह नहीं है बल्कि उनकी जगह जेल में है। कैबिनेट मंत्री कृष्ण कुमार बेदी ने हाल ही में नरवाना के व्यापारी को फिरौती न देने पर मारने की धमकी देने वाले अपराधी को पुलिस द्वारा दो दिन के अंदर गिरफ्तार करने और सलाखों के पीछे डालने का भी जिक्र किया। इसके लिए उन्होंने पुलिस द्वारा की गई त्वरित कार्यवाही की प्रशंसा की।

विपक्ष मुद्दा विहिनः कैबिनेट मंत्री

कैबिनेट मंत्री ने कहा कि विपक्ष के पास जनहित के मुद्दे नहीं बचे और उनके पास ना ही तर्कसंगत बहस का माद्दा रहा। भटका हुआ विपक्ष विधानसभा में तथ्यपूर्ण चर्चा से बचने के लिए बार-बार अविश्वास प्रस्ताव को बहाना बना रहा है। विपक्षी नेता सदन में बैठने की बजाय वॉक आउट को अपनी सस्ती राजनीति के बचाव की ढाल मानने लगे हैं। जबकि हरियाणा की जनता इनके दोहरे चरित्र और खोखली बातों को अच्छी तरह से समझ चुकी है।

बेवजह बवाल काट रहे

कैबिनेट मंत्री कृष्ण कुमार बेदी ने विपक्ष द्वारा उठाए जा रहे वोट चोरी के मुद्दे को सरासर बचकाना और हास्यास्पद बताया। कहा कि गत विधानसभा चुनाव में विपक्ष को जनता ने पूर्णतया नकार दिया है। विपक्ष पूरे तौर पर मुद्दा विहिन हो चुका है। विपक्षी नेता अपनी नाकामियों को छुपाने के लिए वोट चोरी जैसे आधारहीन मुद्दे पर बेवजह बवाल काट रहे हैं। जबकि जनता इनकी असलियत जान चुकी है। आलम यहां तक पहुंच चुका है कि विपक्ष के ही समझदार अनेक नेताओं ने विपक्ष को नकार दिया है और अन्य दलों विशेष कर भारतीय जनता पार्टी में वो शामिल हो चुके हैं। कैबिनेट मंत्री कृष्ण कुमार बेदी ने विपक्ष द्वारा लाए अविश्वास प्रस्ताव को भी कोरा ढोंग ड्रामा, ढकोसला और दिखावा बताया।

आज हरियाणा में लॉ एंड ऑर्डर पूरी तरह फेल : दुष्यंत चौटाला

जींद। पूर्व उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने कहा कि विधानसभा ऐक ऐसा स्थान है, जहां गंभीर विषयों पर चर्चा होनी चाहिए। आज प्रदेश में कानून व्यवस्था का क्या हाल है, यह किसी से छुपा नही है लेकिन सदन में लॉ एंड ऑर्डर जैसे गंभीर विषय पर एक बार भी चर्चा नही हुई है। पूर्व उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला शनिवार को जेजेपी कार्यालय में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रदेश की कानून व्यवस्था का हाल जनता देख रही है। दो दिन पहले रोहतक में रात को गोलियां चलीं और एमडीयू में गाड़ी घुसी। कैथल में ताऊ व भतीजे को मारा गया। यह वारदातें किसी से अछूती नही है। आज प्रदेश में लॉ एंड ऑर्डर फेल है। जिस प्रकार से कल सदन में अविश्वास प्रस्ताव लाकर विपक्ष ने मुंह की खाई, इससे साफ दिखता है कि सत्ता पक्ष के साथ मिल कर विपक्ष काम कर रहा है।

सिक्योरटी क्यों हटाई

डीजीपी द्वारा सिक्योरटी हटाई जाने के सवाल पर चौटाला ने कहा कि सिक्योरटी क्यों हटाई गई है, किस मंशा से हटाई गई है, हमारे परिवार के साथ ऐसा क्यों किया है। यह समझ से परे है। कहा कि स्व. ओमप्रकाश चौटाला की राजनीतिक संघर्ष की स्थली जींद रही है। इसीलिए आज रक्तदान शिविर के माध्यम से स्व. ओपी चौटाला को श्रद्धांजलि दी है और याद भी किया है। जींद में जहां जजपा कार्यालय है, इसमें चौधरी देवीलाल के साथ ओमप्रकाश चौटाला का भी स्टेच्यू लगाया जाएगा ताकि सभी उनके द्वारा किए गए कामों को याद कर सकें और उनके दिखाए मार्ग पर चलें। आज प्रदेश में चुंगी माफ करने की बात हो, लेड हटाने की बात हो, रेवेन्यु पॉजिटिव लाने की बात हो, गुडगांव मिलेनियम सिटी बसाने की बात हो, यह सब ओमप्रकाश चौटाला ने किया है।

विस में बिना होमवर्क के सवाल पूछती हैं विधायक विनेश फोगाट : कैप्टन योगेश

- विधानसभा में उठाए गए मुद्दों पर कैप्टन योगेश बैरागी का पलटवार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ जुलाना

जुलाना विधानसभा क्षेत्र से भाजपा के पूर्व प्रत्याशी कैप्टन योगेश बैरागी ने विधायक विनेश फोगाट द्वारा विधानसभा में उठाए गए मुद्दों पर कड़ा पलटवार किया है। कहा कि विधायक विनेश फोगाट बिना किसी ठोस होमवर्क के विधानसभा में सवाल पूछती हैं और उन्हें धरातल पर चल रहे विकास कार्यों की सही जानकारी नहीं है। यदि विधायक पहले अपने क्षेत्र में चल रहे कार्यों की ग्राउंड रिपोर्ट समझ लें, तभी विधानसभा में सवाल उठाएं तो यह क्षेत्र के हित में बेहतर होगा। कैप्टन योगेश बैरागी ने पत्रकारों से बातचीत करते कहा कि विधायक को चाहिए कि वे केवल राजनीतिक बयानबाजी करने के बजाय क्षेत्र के वास्तविक हालात को समझें। जुलाना क्षेत्र में कई विकास कार्य प्रगति पर हैं लेकिन विधायक जानबूझकर या अज्ञानता में ऐसे मुद्दे उठा रही हैं। जिनका समाधान पहले ही किया जा चुका है। बताया कि 19 जुलाई को नंदगढ़ गांव में दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के जन्मदिवस के अवसर पर आयोजित जुलाना विकास रैली के दौरान प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सैनी से ओवरब्रिज निर्माण की मांग रखी थी। मुख्यमंत्री ने जनसभा में ही इस मांग को स्वीकार करते ओवरब्रिज निर्माण की घोषणा की थी। इसके बाद से ओवरब्रिज निर्माण की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। संबंध में मसौदे की फाइल रेलवे मुख्यालय के जीएडी विभाग के पास है और विभाग लगातार इस पर कार्य कर रहा है। जैसे ही अंतिम मंजूरी मिलेगी, ओवरब्रिज का निर्माण कार्य शुरू कर दिया जाएगा।

विकास कार्यों को समझें

कैप्टन बैरागी ने कहा कि बाजार में जल निकासी व्यवस्था को लेकर भी प्रशासन द्वारा कार्य किया जा रहा है। पुरानी अनाज मंडी में महिलाओं के लिए शौचालय का निर्माण किया जा रहा है। हालांकि बाजार क्षेत्र में जगह की कमी के कारण अन्य शौचालयों का निर्माण फिलहाल संभव नहीं हो पाया है लेकिन प्रशासन इस दिशा में वैकल्पिक समाधान तलाश रहा है। उन्होंने जलभराव के मुद्दे पर भी विधायक के आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि जुलाना क्षेत्र के किसी भी गांव में वर्तमान में जलभराव की समस्या नहीं है। सरकार और प्रशासन द्वारा पहले ही जलभराव वाले क्षेत्रों से पानी की निकासी करवाई जा चुकी है लेकिन नमी के कारण कुछ खेतों में बिजाई नही हो पाई है। कैप्टन योगेश बैरागी ने कहा कि यदि विधायक को सही ग्राउंड रिपोर्ट की जानकारी होती तो वे इतनी गैर जिम्मेदाराना तरीके से विधानसभा में मुद्दे नहीं उठाती। उन्होंने कहा कि वे राजनीतिक ब्यानबाजी से ऊपर उठ कर क्षेत्र के वास्तविक विकास कार्यों को समझें और जनता के हित में सकारात्मक भूमिका निभाएं।

दिव्यांगों को ट्रैक सूट वितरित किए

निःस्वार्थ सेवा ही सबसे बड़ा पुण्य का कार्य : सुरेश जिंदल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ जींद

लायंस क्लब जींद सिटी द्वारा शनिवार को अंकुर दिव्यांग शिक्षक संस्थान स्कूल अर्बन स्टेट में एक सेवा का कार्य किया गया। जिसमें सभी दिव्यांग बच्चों को ट्रैक सूट व जूते वितरण कार्यक्रम आयोजित किया। जिसके पीडी लायन राजीव सिंगल व लायन हरिमोहन गर्ग रहे। कार्यक्रम में मुख्यअतिथि डिस्टिक गवर्नर लायन विशाल वडेरा और वाइस डिस्टिक गवर्नर लायन महेश बंसल उपस्थित रहे। क्लब के चार्टर अध्यक्ष लायन सुरेश जिंदल और प्रधान लायन विकास मित्तल ने कहा कि निस्वार्थ सेवा ही सबसे बड़ा पुण्य का कार्य है और लायंस क्लब जींद सिटी द्वारा समय समय पर इस तरह के कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। सफल आयोजन के लिए क्लब के सभी पूर्व प्रधान और सभी मेंबर्स का और पीडी का मार्गदर्शन में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में लायन नवीन गुप्ता, लायन मनीष सिंघल, लायन अनिल गोयल, पूर्व प्रधान लायन दिनेश गर्ग, लायन महेश गुप्ता, पूर्व प्रधान लायन सुनील , लायन श्यामलाल अग्रवाल, लायन बीएस गर्ग, लायन जयभगवान , लायन विजय, लायन पुनीत सिंगला, लायन सुमित सिंगला, लायन रमेश जैन और पूरी लियो टीम मौजूद रहे।

जींद। दिव्यांगों को ट्रैक सूट वितरित करते हुए संस्था सदस्य।

नरेगा कानून का स्थान लेने वाले मजदूर विरोधी कानून को लेकर जताया रोष, जमकर नारेबाजी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नरवाना

मनरेगा मजदूर यूनियन उझाना ब्लॉक इकाई के आह्वान पर गांव कोयल में मजदूर एकत्रित हुए। यूनियन के पूर्व प्रधान पाल सिंह ने नरेगा कानून का स्थान लेने वाले मजदूर विरोधी ग्राम प्रस्तावित कानून पर विस्तार से चर्चा की। पाल सिंह ने बताया कि पहले के कानून में मजदूरों को काम मिलने की कानूनी गारंटी थी। मजदूरों को काम न मिलने पर बेरोजगारी भत्ता मिलने का कानूनी अधिकार था। जॉब कार्ड बनवाने की सरलता थी। मजदूरों को काम के औजार देने, फस्र्ट एड आदि की सुविधा देने के प्रावधान थे। इसके साथ ही सामाजिक सुरक्षा के अन्य प्रावधान भी थे। यह बात दूसरी है कि सरकार कानून को लागू करने में नाकाम रही थी और भ्रष्टाचार पर पर्दा डालती रही थी। फिर भी मजदूर अपने अधिकार के लिए लड़ सकता था लेकिन अब यह सभी गारंटी नहीं रहेगी। नरेगा के लिए केंद्रीय बजट के आवंटन को राज्य सरकार और केंद्र सरकार में बांट दिया गया। बेवजह जमीदारों को खुश करने के लिए फसली समय पर दो महीने काम पर प्रतिबंध लगाया गया है। काम के लिए योजनाएं बनाने के प्रबंधों को भी बदल दिया गया है। मनरेगा मजदूर यूनियन पहले से ही 200 दिन के काम की गारंटी करवाने की मांग करती रही है। 1957 के श्रम सम्मेलन अनुसार 1000 रुपये मजदूरी बढवाने की मांग करती रही है। ब्लॉक इकाई के मजदूरों ने आज फैसला लिया कि यूनियन के फैसले अनुसार हर ब्लॉक और जिला स्तर पर इस कानून को रद्द करवाने के लिए धरने प्रदर्शन किए जाएंगे। इस अवसर पर पवन सिंह, सतवीर सिंह, विक्रम, रफीक, सोनिया, सुभाष आदि ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

नरवाना। रोष जताते हुए मजदूर। फोटो :हरिभूमि

नरवाना। मैथ ओलंपियाड में भाग लेते बच्चे। फोटो :हरिभूमि

वेदांता स्कूल में मैथ्स ओलंपियाड का सफल आयोजन

नरवाना। वेदांता इंटरनेशनल स्कूल कलौदा खुर्द में विद्यालय ने नेशनल मैथ्स ओलंपियाड का सफलतापूर्वक आयोजन किया। इस ओलंपियाड में विद्यालय के 120 विद्यार्थियों ने भाग लेकर गणित के प्रति अपनी रुचि और प्रतिबद्धता को मजबूती से प्रदर्शित किया। प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में तार्किक सोच, विश्लेषणात्मक क्षमता, समस्या समाधान कौशल और प्रतियोगी परीक्षाओं के प्रति जागरूकता को बढ़ावा देना था और विद्यार्थियों ने इस उद्देश्य को उत्कृष्टता के साथ पूरा किया। विद्यार्थियों ने शांत मन, आत्मविश्वास और मजबूत तैयारी के दम पर इन चुनौतियों का शानदार तरीके से सामना किया। विद्यालय की प्राचार्या वीना दारा ने छात्रों के प्रदर्शन की सराहना की। निदेशक प्रदीप नैन ने मैथ्स ओलंपियाड को बच्चों की प्रतिभा निखारने का एक महत्वपूर्ण मंच बताया।

छात्रों को स्वस्थ जीवन शैली अपनाने और समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने के लिए प्रेरित किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ जींद

राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण व जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण पूनम सुनेजा के मार्गदर्शन में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा नशा मुक्त हरियाणा मिशन, आज सुरक्षा कल सुरक्षित भविष्य व बाल विवाह मुक्त भारत के तहत जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा विशेष जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया। मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी मोनिका ने बताया कि राजकीय सीनियर सेकेंडरी स्कूल शीला खेड़ी व राजकीय सीनियर सेकेंडरी स्कूल गांव बुढ़ा खेड़ा लाठर में आज सुरक्षा कल सुरक्षित भविष्य, नशा मुक्त हरियाणा मिशन व बाल विवाह मुक्त भारत के तहत स्कूली बच्चों द्वारा नुक्कड़ नाटक व अन्य कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। पैनल अधिवक्ता ने बताया कि नशे के दुष्प्रभाव नशा मुक्ति के उपाय परिवार और समाज पर नशे के दूरगामी नकारात्मक प्रभावों तथा नशा मुक्त हरियाणा मिशन व बाल विवाह मुक्त भारत के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। छात्रों को स्वस्थ जीवन शैली अपनाने और समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने के लिए प्रेरित किया।

जींद। नशे पर विशेष जागरूकता कार्यक्रम में भाग लेते छात्राएं। फोटो :हरिभूमि

उचाना। राजकीय स्कूल में आयोजित गणित प्रतियोगिता। फोटो :हरिभूमि

गणित सप्ताह का आयोजन किया

उचाना। राजकीय मॉडल संस्कृति वमावि उचाना कलां में राष्ट्रीय गणित दिवस के उपलक्ष्य में गणित सप्ताह का आयोजन किया गया। गणित सप्ताह के दौरान विद्यार्थियों द्वारा महान गणितज्ञों की जीवनियां, चार्ट निर्माण, पोस्टर निर्माण, गणितीय मॉडल निर्माण, क्विज प्रतियोगिता जैसी अनेक गतिविधियों में उत्साहपूर्वक भाग लिया गया। विद्यार्थियों ने गणित से संबंधित अपने ज्ञान, कल्पनाशक्ति एवं नवाचार का प्रभावशाली प्रदर्शन किया। कार्यक्रम का आयोजन शेर सिंह चहल के सान्निध्य में किया। विद्यालय के गणित संकाय के शिक्षक बिजेंद्र दहिया, प्रदीप कुमार एवं अश्वनी कुमार ने विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया और उन्हें गणित के महत्व एवं दैनिक जीवन में इसके उपयोग के बारे में विस्तार से जानकारी दी। प्रधानाचार्य अशोक नैन ने कहा कि गणित केवल एक विषय नहीं बल्कि जीवन में तर्क, अनुशासन और समस्या समाधान की क्षमता विकसित करने का माध्यम है। प्रतिभागी विद्यार्थियों और शिक्षकों के प्रयासों की सराहना की। गणित सप्ताह का समापन विद्यार्थियों के उत्साहवर्धन एवं उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करने के संदेश के साथ किया गया।

राहत डीसी दरबार में उठाई आवाज का असर 24 घंटे के भीतर ही देखने को मिला

देवीलाल चौक अंडरपास के खतरनाक ब्रेकर व खाई पर प्रशासन ने शुरू किया सुधार कार्य

ऊंचा ब्रेकर और उसके आगे बनी गहरी खाई चालकों के लिए खतरनाक साबित हो रही थी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ जींद

देवीलाल चौक अंडरपास में बने खतरनाक ब्रेकर और उसके साथ बनी गहरी खाई को लेकर अखिल भारतीय अग्रवाल समाज हरियाणा के प्रदेश अध्यक्ष डा. राजकुमार गोयल द्वारा डीसी दरबार में उठाई गई आवाज का असर 24 घंटे के भीतर ही देखने को मिला। डीसी दरबार में मुद्दा उठाए जाने के तुरंत बाद जिला प्रशासन हरकत में आया और देवीलाल चौक अंडरपास में ब्रेकर के पास बनी खतरनाक खाई को ठीक करने का कार्य शुरू कर दिया गया। राजकुमार गोयल ने डीसी को दिए शिकायत पत्र में कहा था कि अंडरपास पर बना ऊंचा ब्रेकर और उसके आगे बनी गहरी खाई वाहन चालकों के लिए बेहद खतरनाक साबित हो रही है। ब्रेकर के बाद अचानक खाई आने से वाहनों का संतुलन बिगड़ जाता है। जिससे आए दिन दुर्घटनाओं का खतरा बना रहता है। विशेषकर ऑटो चालक और दोपहिया वाहन सवार इस समस्या से सबसे अधिक प्रभावित हो रहे हैं। डीसी ने मामले को गंभीरता से लेते हुए मौके पर ही संबंधित विभाग के अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए थे। इसके परिणामस्वरूप 24 घंटे के अंदर ही प्रशासन द्वारा खाई को भरने और ब्रेकर को सुरक्षित बनाने का कार्य प्रारंभ कर दिया गया। जिससे आमजन में राहत की सांस ली है। राजकुमार गोयल ने त्वरित कार्रवाई के लिए डीसी जींद का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह जनता की आवाज की जीत है। उन्होंने उम्मीद जताई कि कार्य को जल्द से जल्द पूर्ण कर सड़क को पूरी तरह सुरक्षित बनाया जाएगा ताकि भविष्य में किसी भी प्रकार की दुर्घटना से बचा जा सके।

जींद। अंडरपास पर बने ब्रेकर व खाई को ठीक करवाते कर्मी। फोटो :हरिभूमि

महिला अधिकारी की शिकायत पर खाप प्रधान सहित दो के खिलाफ केस दर्ज

हरिभूमि न्यूज ▶▶ उचाना

उचाना में कार्यरत महिला अधिकारी द्वारा उचाना के खाप प्रधान के साथ अन्य व्यक्ति पर फोन कर गाली गलौज, अभद्र भाषा का प्रयोग कर नारी सम्मान को ठेस पहुंचाने का आरोप लगाते पुलिस को शिकायत दी। पुलिस ने खाप प्रधान सहित दो के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। महिला अधिकारी ने दी शिकायत में लिखा कि गत 14 दिसंबर को घसो के बलजीत के फोन से शाम को तीन काल आई हुई थी। जब उस फोन पर काल की तो पहले बलजीत ने बात की उसके बाद सूरजभान बोल रहा था जो खुद को खाप का प्रधान बता रहा था। सूरजभान द्वारा उसके गृहस्त जीवन पर अभद्र टिप्पणी की। करीब साढ़े 6 साल से उचाना में कार्यरत है। कई बार उच्च अधिकारी द्वारा सम्मानित किया गया है। कार्यकाल के दौरान उसके खिलाफ कोई भी शिकायत नहीं है। बलजीत, सूरजभान पर शक जताया कि किसी रंजिश के तहत ऐसा किया है और इन दोनों व्यक्तियों से जान का खतरा भी है। सूरजभान घसो ने कहा कि बलजीत ने शाम साढ़े पांच बजे अधिकारी के पास फोन किया तो उन्होंने फोन रिसिव नहीं किया। साढ़े सात बजे बात हुई तो गांव की समस्यां को लेकर बातचीत की थी। बलजीत ने फोन मेरे को दिया तो मैंने फोन पर पारिवारिक राजी खुशी, विभाग संबंधित जो समस्या है उसके बारे में बातचीत की।

23 दिसंबर को गांव चुहड़ माजरा में श्रद्धा भाव के साथ होगा बड़ा धार्मिक आयोजन

जगतगुरु ब्रह्मानंद जयंती की तैयारियां जोरों पर, सीएम होंगे मुख्य अतिथि

विस अध्यक्ष ने दौरा कर तैयारियों का लिया जायजा

बैठक में मुख्यमंत्री के रूट, सुरक्षा प्रबंध और सड़कों के दुरुस्तीकरण पर चर्चा की गई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| ढांड

ढांड। हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष हरविंद्र कल्याण अधिकारियों के साथ कार्यक्रम स्थल का जायजा लेते हुए फोटो : हरिभूमि

हरियाणा सरकार द्वारा आगामी 23 दिसंबर को जिले के गांव चुहड़ माजरा में जगतगुरु स्वामी ब्रह्मानंद सरस्वती की जयंती राज्य स्तर पर बड़ी धूमधाम से मनाई जाएगी। इस भव्य समारोह में हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत करेंगे। कार्यक्रम को लेकर तैयारियों जोरों से चल रही हैं। विभिन्न विभागों के अधिकारी अपने अपने स्तर के कार्यो को अंतिम रूप देने में लगे हुए हैं। शनिवार को हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष हरविंद्र कल्याण ने विधायक सतपाल जांबा, डीसी अपराजिता, एसपी उपासना, सूचना जनसंपर्क एवं भाषा विभाग की अतिरिक्त निदेशक वर्षा खंगवाल, भाजपा नेता अशोक गुर्जर के साथ कार्यक्रम स्थल का दौरा किया और चल रही तैयारियों का बारीकी से निरीक्षण किया। इससे पहले विधानसभा अध्यक्ष ने स्वामी ब्रह्मानंद मंदिर परिसर में प्रशासनिक अधिकारियों व समाज के प्रबुद्ध लोगों के साथ बैठक की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि आयोजन में किसी भी प्रकार की कमी नहीं रहनी चाहिए, इसके लिए गंभीरता से तैयारियों को अंतिम रूप दिया जाए। बैठक में मुख्य रूप से हेलीपैड से लेकर कार्यक्रम स्थल तक मुख्यमंत्री के रूट, सुरक्षा प्रबंध और सड़कों के दुरुस्तीकरण पर चर्चा की गई। वीआईपी प्रवेश द्वार, बैठने की व्यवस्था, मुख्य मंच, संत-महात्माओं के लिए अलग मंच और सांस्कृतिक स्टेज की रूपरेखा तैयार की गई। आमजन के लिए अलग सेक्टर, प्रेस गैलरी, पेयजल, लाइट और मोबाइल शौचालय की व्यवस्था के निर्देश दिए गए। विधानसभा अध्यक्ष हरविंद्र कल्याण ने कहा कि जगतगुरु ब्रह्मानंद की जयंती को लेकर पूरे समाज में भारी उत्साह है।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर विधायक सतपाल जांबा, भाजपा नेता अशोक गुर्जर, पशु कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष धर्मवीर मिर्जापुर, शहीद स्मारक के निदेशक कुलदीप सैनी, पूर्व संसदीय सचिव सुल्तान जड़ौला, पूर्व विधायक तेजवीर सिंह, मकखन सिंह, कली राम पटवारी, रोड महासभा के प्रधान बलकार सिंह, संजीवानंद महाराज, साध्वी दर्शना देवी, सरपंच प्रतिनिधि कुलदीप सिंह, विभिन्न विभागों से जुड़े अधिकारियों सहित अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे।

जगतगुरु ब्रह्मानंद जी की जन्मस्थली चुहड़ माजरा धाम में चला स्वच्छता अभियान

■ विधायक सतपाल जांबा ने स्वयं उठाई झाड़ू, दिया स्वच्छता व सेवा का संदेश

ढांड। जगतगुरु स्वामी ब्रह्मानंद जी की जन्मस्थली चुहड़ माजरा धाम में शुक्रवार को स्वच्छता एवं सेवा भाव को समर्पित विशेष सफाई अभियान चलाया गया। अभियान में पूंडरी विधानसभा क्षेत्र के विधायक सतपाल जांबा ने स्वयं झाड़ू उठाकर श्रमदान किया और आमजन को स्वच्छता का सशक्त संदेश दिया। यह स्वच्छता अभियान 23 दिसंबर को आयोजित होने वाली जगतगुरु स्वामी ब्रह्मानंद जी की जयंती को राजकीय स्तर पर भव्य रूप से मनाए जाने की तैयारियों के तहत आयोजित किया गया। विधायक सतपाल जांबा ने जानकारी देते हुए बताया कि जयंती समारोह में हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। सफाई अभियान के दौरान विधायक के साथ उनकी टीम, स्थानीय कार्यकर्ता, श्रद्धालु एवं क्षेत्रवासी मौजूद रहे। सभी ने मिलकर धाम परिसर की साफ-सफाई की तथा आयोजन स्थल को स्वच्छ व सुव्यवस्थित बनाने में योगदान दिया। इस अवसर पर विधायक सतपाल जांबा ने कहा कि जगतगुरु ब्रह्मानंद जी की शिक्षाएं सेवा, स्वच्छता और सामाजिक जिम्मेदारी की प्रेरणा देती हैं। उनकी जयंती से पूर्व जन्मस्थली को स्वच्छ बनाना हम सभी का नैतिक दायित्व है। उन्होंने कहा कि 23 दिसंबर को होने वाला राजकीय जन्मोत्सव आध्यात्मिक महत्व के साथ-साथ सामाजिक समरसता और सांस्कृतिक चेतना को भी मजबूत करेगा। स्थानीय श्रद्धालुओं ने विधायक द्वारा स्वयं श्रमदान करने की सराहना करते हुए कहा कि इससे समाज में सकारात्मक संदेश जाता है और जनभागीदारी को बढ़ावा मिलता है।

ढांड। विधायक सतपाल जांबा सफाई अभियान चलाते हुए। फोटो : हरिभूमि

कैथल। अपनी मांगों को लेकर रोष जताते मजदूर व अन्य फोटो : हरिभूमि

केंद्र सरकार ने मनरेगा पर बुलडोजर चलाकर ग्रामीणों से छीना रोजगार : डॉ. वी. शिवदासन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कैथल

अखिल भारतीय खेत मजदूर यूनियन हरियाणा राज्य कमेटी की मीटिंग शहीद भगत सिंह भवन, जनकपूरी कॉलोनी कैथल में राज्यप्रधान कामरेड जगमाल सिंह की अध्यक्षता में हुई 1 मीटिंग से पहले संगठन के राष्ट्रीय संयुक्त सचिव व राज्य सभा सांसद डॉ. वी. शिवदासन के नेतृत्व में जिला नागरिक हस्पताल के सामने मनरेगा को खत्म किए जाने के रोष स्वरूप प्रदर्शन कर वी बी जी राम जी बिल की प्रतियाँ जलाकर विरोध प्रकट किया गया। शिवदासन ने कार्यकर्ताओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि केंद्र सराकर ने वी बी जी राम जी के जरिए मगनरेगा पर बुलडोजर चलाकर ग्रामीणों से रोजगार छीन लिया 1 यही नहीं मगनरेगा के जरिए गांव से जोड़ने वाली सड़कें, ब्रिज, तालाब आदि से गांव में जो सम्पति सृजित की जाती थी उसे भी नुकसान पहुँचाने का काम किया है 1 ग्रामीण क्षेत्रों में गरीबों को राहत देने में मनरेगा ने अपनी उपयोगिता को सिद्ध करके दिखाया है 1 यदि इसे और समृद्धि किया जाता तो इससे देश की अर्थव्यवस्था को ओर मजबूती मिलती तथा लोगों का जीवन बेहतर बनता। उन्होंने कहा भाजपा के नेतृत्व वाली केन्द्र सरकार, विकसित भारत - रोजगार गारण्टी और आजीविका मिशन (ग्रा.) (विकसित भारतः जी राम जी) 2025 लेकर आई है। इस बिल का नाम ही इसके असली इरादों को उजागर करता है। शुरुआती अध्ययन से ही पता चल गया है कि इसके खोखले वादों के पीछे, भारत में मुश्किल से हासिल किए गए काम के अधिकार - मनरेगा- को खत्म करने की एक खतरनाक कोशिश छिपी हुई है। भाजपा सरकार की मजदूर विरोधी, जनविरोधी नीतियों के खिलाफ व जीवन बेहतरी के मुद्दों को लेकर खेत मजदूर यूनियन उकलाना में 20-21 फरवरी को दो दिवसीय राज्य सम्मेलन व 20 तारीख को रैली का आयोजन करेंगी।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर रामकुमार बहबलपुरिया, राजेंद्र छोक्कर, रोहताश राजली, प्रकाश चंद्र, सूरजभान, शीशपाल, विक्रम खेड़ी, रोहताश रसलापुर, सुनीता, रामचंद्र बैंसी उपस्थित थे। इनके अलावा प्रदर्शन में सतपाल आनंद, अमृत लाल, नरेश कुमार, चंद्रभान खरकड़ा ने अपने विचार रखे

भारत-तिब्बत समन्वय संघ का सांसद मिलन कार्यक्रम

कैथल। भारत तिब्बत समन्वय संघ के क्षेत्रीय सह मंत्री दर्शन शर्मा पानीपत वाले (अंतरराष्ट्रीय वास्तुशास्त्री)एवं राकेश मालवीय प्रांत उपाध्यक्ष उत्तराखण्ड प्रांत आदि ने सांसद मिलन कार्यक्रम के तहत सांसद त्रिवेन्द्र सिंह रावत (भाजपा) लोकसभा,हरिद्वार/ पूर्व मुख्यमंत्री उत्तराखंड से मुलाकात कर आठ सूत्रीय ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में वर्ष 1962 में संसद में पारित प्रस्ताव का उल्लेख करते हुए चीन के अवैध कब्जे वाले भारतीय सीमावर्ती क्षेत्रों, विशेषकर कैलाश मानसरोवर क्षेत्र की वापसी की मांग की गई। इसके साथ ही वर्ष 1996 की सीमा संधि का हवाला देते हुए कहा गया कि पांच किलोमीटर की परिधि में सैन्य ढांचों पर रोक के बावजूद चीन इस समझौते का पालन नहीं कर रहा है।

सीवन। गांव रसूलपुर में जर्सी वितरित करते मेवा सिंह व अभि मेहता

कड़ाके की सर्दी में समाजसेवियों ने कायम की मानवता की मिसाल

सीवन। सर्दी के बढ़ते प्रकोप को देखते हुए समाजसेवी मेवा सिंह रसूलपुर व अभिषेक मेहता सीवन ने राजकीय प्राथमिक पाठशाला रसूलपुर गामड़ी पहुंचकर जरूरतमंद बच्चों की मदद का सराहनीय कार्य किया। इस दौरान उन्होंने विद्यालय के 10 जरूरतमंद बच्चों को गर्म जर्सियां वितरित की, जिससे बच्चों के चेहरों पर खुशी देखने को मिली। इस अवसर पर विद्यालय के मुख्य शिक्षक इंद्रजीत मिढा ने समाजसेवियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि समाजसेवी हमारे समाज की रीढ़ होते हैं। उनके सहयोग से ही जरूरतमंद बच्चों को आगे बढ़ने का अवसर मिलता है। विद्यालयों में कई ऐसे बच्चे होते हैं जो आर्थिक अभाव के कारण सुविधाओं से वंचित रह जाते हैं, यदि समय पर उनकी मदद की जाए तो वे उच्च शिक्षा तक पहुंच सकते हैं। उन्होंने समाज के अन्य लोगों से भी अपने सामर्थ्य के अनुसार सहयोग करने की अपील की। इस मौके पर समाजसेवी मेवा सिंह रसूलपुर व अभिषेक मेहता सीवन ने कहा कि सर्दी के मौसम में छोटे बच्चों को सबसे अधिक परेशानी होती है, विशेषकर वे बच्चे जो आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों से आते हैं। उन्होंने कहा कि समाज के प्रत्येक सक्षम व्यक्ति को आगे आकर जरूरतमंदों की सहायता करनी चाहिए।

कैथल का गौरव उर्फ बच्ची रंगदारी मांगने पर काबू

■ शॉर्टकट से जल्दी पैसा कमाने के चक्कर में गौरव उर्फ बच्ची ने अपराध की दुनिया में रखा कदम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कैथल

कैथल। गौरव उर्फ बच्ची की परेड शिनाख्त करवाती पुलिस फोटो : हरिभूमि

14 दिसंबर को नरवाना के रेलवे रोड पर कपड़ा कारोबारी नरेश जैन की दुकान पर पर्ची फेंक कर तथा फायर कर 50 लाख रुपये की चौथ मांगने वाले मुख्य आरोपित गांव बेलरखां निवासी अनूप को सीआईए ने मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया था। इसके साथ ही दूसरे आरोपित 19 वर्षीय जिला कैथल के गांव सिरटा व हाल आबाद धर्मसिंह कालोनी नरवाना निवासी गौरव उर्फ बच्ची को भी पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया था। पुलिस ने आरोपित गौरव उर्फ बच्ची को अदालत में पेश किया। जहां से उसको एक दिन के पुलिस रिमांड पर ले लिया ताकि यह पता चल सके कि वो अन्य दूसरी वारदातों में शामिल तो नही रहा। इससे पहले वीरवार को पुलिस आरोपित गौरव उर्फ बच्ची का सिर गंजा करवा कर व हाथों में हथकड़ी लगा कर उस जगह पर लेकर गई, जहां से वह तथा अनूप बेलरखां वारदात करने के बाद फरार हुए थे। आरोपित गौरव उर्फ बच्ची की परेड शिनाख्त करवाई गई। उसने बताया कि वह जैन की दुकान के साथ लगती गली में मुंह पर कपड़ा बांध कर बाइक लेकर खड़ा हो गया था। अनूप जैन की दुकान पर गोली चलाने के बाद भागता हुआ बाइक पर बैठ गया था। जिसके बाद वे दोनों बाइक पर वहां से फरार हो गए थे। पुलिस ने आरोपित गौरव उर्फ बच्ची को साथ लेकर जहां-जहां से वे भागे थे, वहां की शिनाख्त करवाई। वहीं आरोपित गौरव उर्फ बच्ची ने पुलिस को पूछताछ में बताया कि वह अपने मामा के पास नरवाना में धर्म सिंह कालोनी में रहता है। वह मुख्य आरोपित अनूप बेलरखां की जीवशैली से प्रभावित था। वह शॉर्ट कट के जरिए पैसा कमा कर एश की जिंदगी जीना चाहता था। जिसके कारण वह अनूप बेलरखां के संपर्क में आया। उसने अनूप को ढेर सारा पैसा कमाने की इच्छा जाहिर की। जिसके चलते वह जैन गारमेंट्स के मालिक नरेश जैन से 50 लाख रुपये की रंगदारी मांगने के लिए साथ चला गया लेकिन गौरव उर्फ बच्ची को यह नही पता था कि जिस शार्टकट के जरिये पैसा कमाने की राह पर वो चलना सीख रहा था। वह राह उसको जेल की सलाखों के पीछे भेजने का काम करेगी।

खबर संक्षेप

बेटी के जन्मदिन पर बजे नगाड़े, बांटीं मिठाइयां

राजौंद। राजौंद के कश्यप मोहल्ले में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें संजना पत्नी अंग्रेजी के घर जन्मी बच्ची की खुशी पर ढोल नगाड़ों मिठाइयां बांटी गई। यह बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ कार्यक्रम डॉक्टर संदीप की अध्यक्षता में किया गया है। उन्होंने कहा कि बेटी अब सिर्फ जिम्मेदारी नहीं बल्कि पूरे परिवार का अभिमान बन चुकी है, बेटिया अब किसी भी क्षेत्र में पीछे नहीं है। बेटी हर क्षेत्र में लडकों से आगे वाली पंक्ति में पाई जाती है। इस दौरान परिवार के सदस्यों द्वारा पूजन से लेकर पौधारोपण भी किया गया। राजौंद निवास अंग्रेज ने बताया कि पत्नी संजना को पहली संतान के रूप में एक लक्ष्मी को जन्म दिया है बेटा बेटी में कोई फ़र्क नहीं है, दोनो बराबर के अधिकार रखती है। इस दौरान सी एच सी राजौंद से सुदेश ए एन एम ने लोगों को विभाग द्वारा जारी योजनाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी। इस दौरान सी एच सी राजौंद से सुदेश ए एन एम, दर्शना, रजनी, कविता राज रानी, ऊषा, आशा, शीला शकुन्तला माया सभी आशाओं ने भी बढ़ चढ़कर भाग लिया।

शिव मंदिर से शिवलिंग का नाग और त्रिशूल चोरी

कलायत। कलायत में प्राचीन कपिल मुनि सरोवर तट पर स्थित डेरा बाबा रूढ़पूरी डेरा परिसर से चोरों द्वारा शुक्रवार रात्रि भगवान शिव मंदिर के शिवलिंग से सुशोभित नाग और त्रिशूल चुराने का मामला सामने आया है। कोहरे और ठंड की आड़ में आए चोरों ने मंदिर के गर्भगृह का ताला तोड़कर चोरी की घटना को अंजाम दिया। सुबह जब श्रद्धालु पूजा के लिए पहुंचे तो दंग रह गए। डेरा के महंत मोंटी बाबा ने बताया कि उन्होंने रात को मंदिर का दरवाजा सुरक्षित बंद किया था। सुबह वह खुला मिला। उन्होंने आशंका जताई है कि क्षेत्र में सक्रिय नशेड़ी युवाओं ने ही इस वारदात को अंजाम दिया है। पहले भी छोटी-मोटी चोरियां हो चुकी हैं। फिलहाल पुलिस सीसीटीवी फुटेज के आधार पर चोरों की तलाश में जुटी ।जबकि स्थानीय लोगों ने दो-टूक चेतावनी दी है कि बाबा का त्रिशूल और नाग देवता हर हाल में वापस चाहिए।

मंडवाल रोड पर जमा कीचड़ से कस्बावासी परेशान

राजौंद। नगर पालिका कार्यालय के साथ-साथ पैक्स वार्ड नंबर 3 व 4 मंडवाल रोड को जाने वाली गली में भरे कीचड़ से लोगों को परेशानी उठानी पड़ रही है। वार्ड निवासी विशाल, विनोद, कुशल, श्याम, सुंदर ने बताया कि पिछले दिनों सीवरेज की पाइपलाइन दबाने के बाद इसकी स्थिति और भी बद से बदतर हो गई है। लोगों ने बताया कि पूरे नगर की गलियों को संबंधित विभाग द्वारा सीवरेज की पाइपलाइन दबाने के लिए उखाड़ कर रख दिया है। किसी भी गली को ठीक नहीं किया जा रहा,जिससे गलियों से पैदल गुजरना भी मुश्किल होकर रह गया है। उन्होंने बताया कि इस गली से सुबह स्कूल जाने वाले विद्यार्थियों को बहुत परेशानी झेलनी पड़ती है। खासकर लड़कियों को बहुत मुश्किल होती है। क्योंकि गली में कोई भी रास्ता निकलने के लिए नहीं बचा है।इन लोगों ने बताया कि गली में पानी की निकासी की कोई व्यवस्था नहीं की गई। जिससे हर समय गली में कीचड़ युक्त गंदा पानी खड़ा रहता है। कीचड़ के कारण हर कोई परेशान हो रहा है। लोगों ने प्रशासन से मांग कि है की यहां पानी की निकासी की व्यवस्था की जाए और गली को ठीक करवाया जाए।

महाराजा शूर सैनी को किया नमन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कैथल

महाराजा शूर सैनी को पुष्प अर्पित करती भाजपा जिलाध्यक्ष ज्योति सैनी व अन्य।

महाराजा शूर सैनी की जयंती के पावन अवसर पर महाराजा शूर सैनी सेवा समिति (रजि.) द्वारा गांधी नगर एवं ऋषि नगर, कैथल में आयोजित 12वें हवन एवं भंडारे कार्यक्रम तथा चंदाना गेट, कैथल में आयोजित हवन कार्यक्रम में भाजपा कैथल जिलाध्यक्ष ज्योति सैनी ने गरिमामयी सहभागिता की। इस अवसर पर उन्होंने महाराजा शूर सैनी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धा एवं सम्मान के साथ उन्हें नमन किया।

जिलाध्यक्ष ज्योति सैनी ने कहा कि महाराजा शूर सैनी भारतीय इतिहास के ऐसे महान शासक रहे हैं, जिनका संपूर्ण जीवन सेवा, न्याय, सुशासन और समाज उत्थान को समर्पित रहा। उनके द्वारा स्थापित न्यायपूर्ण शासन व्यवस्था और समाज को जोड़ने वाली विचारधारा आज भी प्रासंगिक है और वर्तमान पीढ़ी के लिए प्रेरणास्रोत है। उन्होंने कहा कि महाराजा शूर सैनी ने अपने कर्मों से समाज को समानता, भाईचारे और सामाजिक समरसता का मार्ग दिखाया।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर भाजपा कैथल जिलाध्यक्ष ज्योति सैनी, पूर्व भाजपा जिला अध्यक्ष कैथल मुनीष कठवाड़, नगर परिषद कैथल चेयरपर्सन प्रतिनिधि सुमित गर्ग, राम जी सैनी, सैनी शिक्षा समिति प्रधान सी बी सैनी, पृथी सैनी, जग्गा सैनी, वीरभान सैनी आदि उपस्थित थे।

डीएवी पब्लिक स्कूल पूंडरी में एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पूंडरी

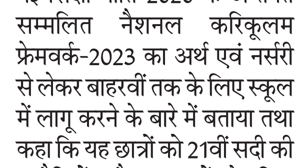

डीएवी पब्लिक स्कूल पूंडरी में सीबीएसई द्वारा डोमेन-3 के विषय नैशनल करिकूलम फ्रेमवर्क फॉर स्कूल एजूकेशन-2023 को लेकर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस अवसर पर रिर्सासे पर्सन के रूप में रिद्धिमा एवं समाइली रानी विशेषरूप से आमंत्रित हुई। स्कूल की प्राचार्या साधना बख्शी एवं एसटीएनसी विकास जैन द्वारा रिसोर्स पर्सन का स्वागत किया गया। कार्यशाला का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलित करके किया गया। तत्पश्चात रिसोर्स पर्सन समाईली के द्वारा सीबीएसई के द्वारा नई शिक्षा नीति-2020 के अन्तर्गत सम्मलित नैशनल करिकूलम फ्रेमवर्क-2023 का अर्थ एवं नर्सरी से लेकर बाहरवीं तक के लिए स्कूल में लागू करने के बारे में बताया तथा कहा कि यह छात्रों को 21वीं सदी की चुनौतियों और जरूरतों के लिए तैयार करता है। इस अवसर पर रिर्सोर्स पर्सन रिद्धिमा ने कार्यक्रम को आगे बढ़ाते हुए कहा कि रटने की बजाय गहरी समझ और ज्ञान के अनुप्रयोग पर जोर देना चाहिए।

चीका में ब्लॉक स्तरीय विधिक साक्षरता प्रतियोगिता सम्पन्न

गुहला-चीका। राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, चीका में विधिक साक्षरता कार्यक्रम के तहत ब्लॉक स्तरीय विधिक साक्षरता प्रतियोगिता का सफल आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को कानून के प्रति जागरूक करना तथा उन्हें उनके अधिकारों और कर्तव्यों की जानकारी देना रहा। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतियोगिता के अंतर्गत प्रश्नोत्तरी, चित्रकला, प्रस्तुतीकरण, वृत्तचित्र, नारा लेखन, निबंध लेखन, कविता पाठ, भाषण और वाद-विवाद जैसी विभिन्न विधाओं का आयोजन किया गया।

बिजली कर्मचारियों ने नारेबाजी कर जताया रोष

राजौंद। केंद्रीय परिषद संबंधित एच एस ई बी वर्कर यूनियन द्वारा ए सी एस पावर बिजली विभाग को दिए गए नोटिस के अनुसार ऑनलाइन ट्रांसफर पॉलिसी के विरोध में पूरे हरियाणा प्रदेश में यूनिट स्तर पर विरोध प्रदर्शन किया गया। सब यूनिट प्रधान अश्विनी ढांडा ने राजौंद गेट मीटिंग पुंडरी में भाग लेते हुए बताया कि पूरे हरियाणा प्रदेश में कार्यकारी अभियंता कार्यालयों में कार्यकारी अभियंता को यूनियन की कर्मचारी संबंधित लंबित मांगो का ज्ञापन दिया गया। इस ज्ञापन पत्र में मुख्य रूप से ऑनलाइन ट्रांसफर पॉलिसी का विरोध,समान काम समान वेतन,रिस्क एलोवेंस,कैशलैस मेडिकल सुविधा,बिजली यूनिट बढ़ाने और अन्य मूलभूत सुविधाओं शामिल रहे।

कार्यशाला आरकेएसडी पब्लिक स्कूल में एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित

सीबीएसई के रिसोर्स पर्सन ने शिक्षकों को राष्ट्रीय पाठ्यक्रम से अवगत करवाया

पंचकोष विकास पद्धति व अन्य शिक्षण पद्धतियों के बारे में बताया

■ छात्रों के समग्र विकास के लिए प्रणालियों पर बातचीत की

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कैथल

कैथल। आरकेएसडी कालेज में कार्यशाला के दौरान प्रधानाचार्या व अन्य ।

आरकेएसडी पब्लिक स्कूल में एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें सीबीएसई के रिसोर्स पर्सन रेखा चौहान पूजा शर्मा ने सभी शिक्षकों को राष्ट्रीय पाठ्यक्रम रूपरेखा से अवगत करवाया। रेखा चौहान एस. डी. एम. एन विद्या मंदिर नीलोखेड़ी में प्रधानाचार्या के पद पर कार्य कर रही है और 2017 से सर्टिफाइड ट्रेनर के रूप में कार्य कर रही है और मंत्री राम विलास पासवान द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में अपने सहयोग के लिय सम्मानित भी रही है। पूजा शर्मा ग्रीन फील्ड पब्लिक स्कूल कुरुक्षेत्र में पी. जी. टी. फिजिक्स(भौतिक शास्त्र) के पद पर कार्य कर रही है और राष्ट्रीय गरिमा अवार्ड से सम्मानित है रिसोर्स पर्सन द्वारा राष्ट्रीय पाठ्यक्रम रूपरेखा के आधारभूत ढांचे पर बात की गई और छात्रों के समग्र विकास के लिए विभिन्न प्रणालियों पर भी बातचीत की गई। छात्रों के समुचित व सर्वांगीण विकास में पंचकोष विकास पद्धति व अन्य शिक्षण पद्धतियों के बारे में बताया। स्कूल प्रबंधक समिति के अध्यक्ष अश्विनी शोरेवाला तथा प्रधान सरल शांत मंगल ने भी दोनों रिसोर्स पर्सन द्वारा दी गई बहुमूल्य जानकारी और शिक्षण की नई पद्धतियों से अवगत कराने के लिए उनका धन्यवाद किया।

नई शिक्षण पद्धतियां व नवाचार जरूरी

स्कूल की प्रधानाचार्या निवेदिता भट्ट व उपप्रधानाचार्या वीना बंसल ने दोनों रिसोर्स पर्सन का आभार प्रकट किया और उनके द्वारा की गई जानकारी को शिक्षण क्षेत्र में बहुत सहायक माना। उन्होंने इसे शिक्षण पद्धति व समय की मांग बताया। इन्होंने बताया कि जब तक शिक्षक नई शिक्षण पद्धतियों और नवाचार को अपने शिक्षण में नहीं लाएंगे तब तक शिक्षा के समग्र उद्देश्यों को प्राप्त नहीं किया जा सकेगा।

खबर संक्षेप

चार मामलों में 3 भगौड़े आरोपी गिरफ्तार किए

कैथल। पीओ पकड़ो पकड़ो स्टाफ द्वार अलग अलग 4 मामलों में 3 भगौड़े आरोपियों को काबू किया गया है। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि पीओ पकड़ो स्टाफ प्रभारी एसआई ओमप्रकाश की अगुवाई में एएसआई महा सिंह व एएसआई राजकुमार की टीम द्वारा आरोपी अर्जुन नगर कैथल निवासी सुरजीत को गिरफ्तार किया गया। आरोपी वर्ष 2018 दौरान के एक बाउंस मामले में 27 जनवरी 2025 को पीओ घोषित किया गया था। इसके अलावा भी थाना शहर क्षेत्र के वर्ष 2020 के एक अन्य धोखाधड़ी के मामले में भी आरोपी सुरजीत को माननीय न्यायालय द्वारा 3 नवंबर 2025 को पीओ घोषित किया था।

दहेज उत्पीडन के दोषी पति को पांच वर्ष कैद

जींद। जिला एवं सत्र न्यायाधीश की अदालत ने दहेज उत्पीडन से पत्नी के आत्महत्या करने के दोषी पति को पांच वर्ष के कठोर कारावास की सजा सुनाई है। इसके अलावा अदालत ने दोषी पति को दस हजार रुपये जुर्माना भी लगाया है। अभियोजन पक्ष के अनुसार करनाल निवासी सुरेश ने पुलिस को दी शिकायत में बताया था कि सकी पुत्री अंकिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई थी।

मारपीट में एक घायल मुकदमा किया दर्ज

कैथल। थाना ढांड पुलिस ने एक व्यक्ति के साथ मारपीट करने और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में एक व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज किया है। गांव साकरा के महावीर ने ढांड पुलिस को दी शिकायत में बताया कि 11 दिसंबर को दोपहर करीब 12 बजे महेंद्र नामक व्यक्ति ने उसके साथ लड़ाई झगड़ा करते हुए मारपीट की। आरोप है कि आरोपी ने उसे जान से मारने की धमकी भी दी। बाद में आरोपी मौके से फरार हो गया।

चोरों ने फैक्टरी से लाखों का सामान चुराया

कैथल। पटियाला रोड चीका की एक फैक्टरी से चोर लाखों रुपए का सामान चुरा कर ले गए। चीका के राकेश कुमार ने चीका पुलिस को दिए शिकायत में बताया कि वह पटियाला रोड चीका पर फैक्ट्री चलाते हैं। आरोप है कि 18 दिसंबर की रात को कर उसकी फैक्ट्री में घुसकर वहां पर रख ट्राली के जेक, डाले व अन्य लोहे का सामान चुरा कर ले गए। चुराए गए सामान की कीमत करीब 250000 रुपए बताई गई है। पुलिस ने मामला दर्ज कर चोरों की तलाश शुरू कर दी है।

प्रॉपर्टी पर लगाई सील तोड़ने के आरोप में केस

कैथल। कैथल शहर पुलिस ने फाइनेंस कंपनी द्वारा लगाई गई सील को तोड़ने के आरोप में दंपति के खिलाफ मामला दर्ज किया है। इस संबंध में हुड्डा सेक्टर 13 करनाल संजय कुमार ने बताया कि टाटा कैपिटल हाउसिंग फाइनेंस कंपनी से अरुण कुमार व उसकी पत्नी सीमा रानी द्वारा कुछ लोन लिया गया था। लोन ने भरने पर जिला प्रशासन के आदेश अनुसार कंपनी द्वारा उनके द्वारा रखी गई संपत्ति को सील कर दिया गया था। आरोप है कि आरोपियों द्वारा 18 दिसंबर को जिला प्रशासन द्वारा लगाई गई सेल को तोड़ दिया।

राजकीय स्कूलों में 9वीं और 11वीं के छात्रों की सेट 2 परीक्षाएं 22 से शुरू, परीक्षा को लेकर विद्यालय शिक्षा निदेशालय ने पत्र जारी किया

डेटशीट स्कूल संचालकों के साथ सांझा करने के निर्देश

10वीं और 12वीं कक्षा की प्री बोर्ड परीक्षाएं भी 22 जनवरी से होंगी शुरू

हरिभूमि न्यूज ▶▶ जींद

राजकीय स्कूलों में 9वीं और 11वीं कक्षा में पढने वाले विद्यार्थियों की सेट 2 परीक्षा को लेकर विद्यालय शिक्षा निदेशालय ने पत्र जारी किया है। 22 दिसंबर से सेट 2 की परीक्षाएं शुरू होंगी। निदेशालय ने सभी जिला शिक्षा अधिकारियों को पत्र जारी कर डेटशीट स्कूल संचालकों के साथ सांझा करने के निर्देश दिए हैं। इस कार्य में किसी प्रकार की कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सेट 2 परीक्षा व प्री बोर्ड परीक्षा के अंक अवसर ऐप या एमआइएस पोर्टल पर अपलोड करवाने की जिम्मेदारी विद्यालय मुखिया की होगी। इसके साथ-साथ 10वीं व 12वीं कक्षा की प्री बोर्ड परीक्षाएं भी 22 जनवरी से होने जा रही हैं।

लगभग 37 हजार बच्चे देंगे सेट 2 परीक्षाएं

जिले के राजकीय स्कूलों में 9वीं कक्षा में 10,100, 10वीं कक्षा में 9270, 11वीं कक्षा में 9047 व 12वीं कक्षा में 8814 विद्यार्थी पढ़ रहे हैं। जो सेट.2 व प्री बोर्ड परीक्षाओं में भाग लेंगे। 22 दिसंबर को 9वीं कक्षा की सुबह के सत्र में सामाजिक विज्ञान और आधी छुट्टी के बाद हिंदी विषय की परीक्षा होगी। इसके बाद 23 दिसंबर को अंग्रेजी और बाद में एनएसक्यूएफ विषय की परीक्षा होगी। 24 दिसंबर को विज्ञान व संस्कृति, पंजाबी व उर्दू विषय की परीक्षा होगी। इसके बाद फिर 27 को गणित विषय की परीक्षा होगी। इसके बाद कक्षाएं शुरू हो जाएंगी। इसकी प्रकार 11वीं कक्षा की 22 दिसंबर को फाइन आट्र्स, म्यूजिक और बिजनेस स्टडी व केमिस्ट्री विषय की परीक्षा होगी। इसके बाद 23 दिसंबर को कंप्यूटर व हिस्ट्री, फिजिक्स व अकाउंट विषय की परीक्षा होगी। 24 दिसंबर को हिंदी, गणित, जीवन विज्ञान व पब्लिक एड विषय की परीक्षा होगी। 27 दिसंबर को एनएसक्यूएफ व अंग्रेजी विषय की परीक्षा होगी। 29 दिसंबर को अर्थशास्त्र, गृह विज्ञान, संस्कृतए उर्दू व पंजाबी विषय की परीक्षा होगी।

कल से शुरू होगी सेट 2 परीक्षा

जिला शिक्षा अधिकारी रितु पंघाल ने बताया कि राजकीय स्कूलों में पढने वाले 9वीं व 11वीं कक्षा की सेट 2 की परीक्षा को लेकर विद्यालय शिक्षा निदेशालय की ओर से पत्र जारी किया गया है। इसके अलावा 10वीं व 12वीं कक्षा की प्री बोर्ड परीक्षा 22 जनवरी से शुरू होंगी। इससे विद्यार्थियों की बोर्ड परीक्षाओं से पहले तैयारी अच्छे से हो सकेंगी और वे आगामी परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सकेंगे।

10वीं और 12वीं कक्षा की प्री बोर्ड परीक्षाएं 22 जनवरी से

वहीं 10वीं व 12वीं कक्षा की प्री बोर्ड परीक्षा 22 जनवरी से शुरू होंगी। इसमें 10वीं कक्षा की 22 जनवरी को विज्ञान, 23 जनवरी को हिंदी, 24 जनवरी को गणित, 28 जनवरी को संस्कृत, उर्दू, पंजाबी, 29 जनवरी को अंग्रेजी व 30 जनवरी को सामाजिक विज्ञान विषय की परीक्षा होगी। 12वीं कक्षा की 22 जनवरी को कंप्यूटर साइंस व ज्योग्राफी विषय की परीक्षा होगी। इसके बाद 23 जनवरी को गणित, जीव विज्ञान, पब्लिक एड, 24 जनवरी को हिंदी, 28 को अंग्रेजी विषय की परीक्षा होगी। इसके बाद 29 जनवरी को संस्कृत, उर्दू, पंजाबी, 30 जनवरी को सोशलॉजी, बिजनेस स्टडी, केमिस्ट्री, 31 जनवरी को फाइन आट्र्स, म्यूजिक, दो फरवरी को हिस्ट्री, फिजिक्स, अकाउंट, तीन फरवरी को इकोनॉमिक्स व चार फरवरी को एनएसक्यूएफ विषय की परीक्षा होगी।

पुलिस ने डाला गांव में डेरा, परिवार में छाया मातम

डबल मर्डर से गांव पाई में सन्नाटा, दहशत का माहौल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ पूंडरी

गांव पाई में शुक्रवार को हुए डबल मर्डर के बाद पूरे गांव में दहशत का माहौल बना हुआ है। हर गली, चौपाल और नुक्कड़ पर लोग इसी सनसनीखेज वारदात को लेकर चर्चा करते नजर आ रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि महज 75 गज जमीन के टुकड़े और वर्षों पुरानी रंजिश की बदले की आग ने कई परिवारों को उजाड़ कर रख दिया। जमीन तो यहीं रह जाएगी, लेकिन जो लोग इस आग की भेंट चढ़ गए, वे कभी वापस नहीं आएंगे। डबल मर्डर में मारे गए राजेंद्र (40) और उसके ताऊ भाना राम (78) का शनिवार को पोस्टमार्टम के बाद कड़ी पुलिस सुरक्षा के बीच दाह संस्कार किया गया। गांव और मोहल्लों में सन्नाटा पसरा रहा। सुरक्षा की दृष्टि से एसपी उपासना के निर्देश पर दोनों परिवारों के घरों पर एक-एक गारद तैनात की गई है, जबकि हर समय दर्जनों पुलिस जवानों की ड्यूटी लगाई गई है। इसके अलावा पुलिस की अलग-अलग टीमें लगातार गांव का दौरा कर रही हैं।

75 गज जमीन के टुकड़े की रंजिश ने कई परिवारों को उजाड़ कर रख दिया

पूंडरी। सुरक्षा की दृष्टि से गांव में मौजूद पुलिस। फोटो : हरिभूमि

पुलिस फोर्स के साये में हुआ दाह संस्कार

शनिवार को पोस्टमार्टम के बाद दोनों मृतकों का अलग-अलग समय पर पुलिस सुरक्षा में अंतिम संस्कार किया गया। मृतक राजेंद्र की अंतिम यात्रा दोपहर करीब एक बजे निकाली गई, जहां उसके इकलौते 13 वर्षीय पुत्र ने मुखाग्नि दी। वहीं बुजुर्ग भाना राम का दाह संस्कार शाम करीब तीन बजे किया गया। उनके तीन बेटियां होने के कारण भतीजे ने मुखाग्नि दी। इस दौरान बड़ी संख्या में ग्रामीण व रिश्तेदार मौजूद रहे। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल था।

बताया गया है कि यह खूनी संघर्ष वर्ष 2012 में हुए दोहरे हत्याकांड की 13 साल पुरानी रंजिश से जुड़ा हुआ है। विवाद गांव में महज 75 गज में बनी एक पुरानी हवेली को लेकर चल रहा था। इसी रंजिश में पहले मृतक राजेंद्र के परिवार के लोगों ने फिक्कर और राजा की हत्या कर दी थी। उसी का बदला लेने के लिए शुक्रवार को राजेंद्र और उसके ताऊ भाना राम को गोलियों से भून दिया गया। राजेंद्र को उस समय गोलियां मारी गईं, जब वह पूंडरी और जटेहड़ी के बीच पहुंचा था। कुछ देर बाद उसके ताऊ भाना राम को गांव पाई में घर से करीब 50 मीटर की दूरी पर छाती में गोलियां मारकर मौत के घाट उतार दिया गया।

जांच जारी

सुरक्षा की दृष्टि से हर समय गारद और पुलिस जवान तैनात किए गए हैं। इस हत्याकांड में दो हमलावर विजय और राहुल को गिरफ्तार कर लिया गया है। घटना में इस्तेमाल किए गए दो देशी कट्टे और एक पिस्तौल भी बरामद कर ली गई है। मामले की जांच जारी है।
-शिव कुमार, एसएचओ पूंडरी।

गांव पाई में डबल मर्डर : पुलिस ने दो आरोपियों को किया गिरफ्तार

14–15 वर्षों से जमीन को लेकर था विवाद

- पुलिस टीमों द्वारा दी जा रही दबिश के चलते दोनों आरोपियों ने किया आत्मसमर्पण

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कैथल

थाना पुण्डरी क्षेत्र के गांव पाई व जटेडी रोड पर जमीनी विवाद की पुरानी रंजिश के दोहरे हत्याकांड मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए नियमानुसार दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। एसपी उपासना ने बताया की तेजेन्द्र उर्फ तेजी निवासी गांव पाई की शिकायत अनुसार उसके परिवार व गांव के ही चेला राम के परिवार के बीच पिछले करीब 14–15 वर्षों से जमीन को लेकर विवाद चला आ रहा है। इसी विवाद के चलते वर्ष 2012 में हुए झगड़े में चेला राम के परिवार के दो सदस्यों की मौत हो गई थी, उस मामले में उनके परिवार के कई सदस्यों को सजा हुई थी तथा वर्ष 2018 में वो सभी हाईकोर्ट से जमानत पर रिहा हुए थे। 19 दिसंबर की सुबह करीब 9:30 बजे वह अपने ताऊ के लड़के सुनील के साथ गांव की गली में खड़ा था। उसी दौरान उसके ताऊ भाना श्मशान वाले खेत से घर लौट रहे थे। जब भाना गांव में पहुंचे तो दो मोटरसाइकिलों पर सवार चार युवक हथियार लहराते हुए आए और भाना पर ताबड़तोड़ गोलियां चला दीं, जिससे वह गंभीर रूप से घायल होकर गिर पड़ा और मौके पर ही उसकी मौत हो गई। आरोपियों ने मौके पर धमकी देते हुए कहा कि उन्होंने परिवार के एक अन्य सदस्य राजेन्द्र पुत्र ओमप्रकाश को भी गोली मार दी है और उसकी लाश जटेडी रोड के खेतों में पड़ी है। इसके बाद आरोपी फरार हो गए। परिजनों द्वारा मौके पर जाकर देखने पर राजेन्द्र की स्कूटी सड़क पर खड़ी मिली और कुछ दूरी पर खेतों में उसकी गोली लगी लाश बरामद हुई। जिस बारे थाना पूंडरी में हत्या का मामला दर्ज किया गया। एसपी ने बताया मामले की गहनता को देखते हुए जिले की सभी क्राईम युनिट स्पेशल डिटेक्टिव युनिट, सीआई-1, एंटी व्हीकल थेफ्ट स्टाफ सहित थाना पूंडरी पुलिस को आरोपियो की गिरफ्तारी के आदेश दिए गए थे। पुलिस द्वारा लगातार प्रयास करते हुए विभिन्न जगह पर छापेमारी की गई तथा आरोपियों की गिरफ्तारी के प्रयास किए गए। पुलिस द्वारा दी जा रही लगातार दबिश व पुलिस दबाव के चलते दो आरोपियों पाई निवासी राहुल (26 वर्ष) व विजय (22 वर्ष) द्वारा शनिवार को थाना पूंडरी में आत्मसमर्पण किया गया। जिन्हे नियमानुसार कार्रवाई तहत एसडीयु के एसआई विरेंद्र की टीम द्वारा गिरफ्तार कर लिया गया।

कैथल। पुलिस गिरफ्त में दोनो आरोपी। फोटो : हरिभूमि

बदला लेने के लिए की हत्या

प्रारंभिक पूछताछ में सामने आया कि आरोपी राहुल व विजय के पिता की जमीनी विवाद के कारण वर्ष 2012 में उक्त पक्ष द्वारा हत्या की गई थी। जिसका बदला लेने के लिए आरोपियों द्वारा उक्त वारदात को अंजाम दिया गया। आरोपी राहुल पर पहले भी हत्या व गंभीर चोटे मारने व गोली चलाने के 2 मामले दर्ज है। आरोपी विजय पर गंभीर चोटे मारने सहित गोली चलाने व चोरी का प्रयास के दो मामले दर्ज है। आरोपियों के कब्जे से वारदात में प्रयोग 2 अवैध देशी कट्टे बरामद किए गए है। दोनों आरोपियों से पूछताछ की जा रही है तथा अन्य संलिप्त आरोपियों की तलाश जारी है। दोनो आरोपी रविवार को अदालत में पेश किए जाएंगे, जिनका पुलिस रिमांड हासिल किया जाएगा।

एबीवीपी कार्यकर्ताओं ने यूनिवर्सिटी कंट्रोलर के नाम सौंपा ज्ञापन

- परीक्षाओं के समय में बदलाव की उठाई मांग

हरिभूमि न्यूज ▶▶ जींद

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने जींद यूनिवर्सिटी के कंट्रोलर नीरज सिंह यूनिवर्सिटी और कॉलेज के विद्यार्थियों को परीक्षा में आ रही समय और तिथि समस्या को लेकर ज्ञापन सौंपा।

एबीवीपी इकाई अध्यक्ष राहुल कक्कड़ ने बताया कि विश्वविद्यालय और महाविद्यालय में 9:30 बजे यूजी 5 और 7 सेमेस्टर की और 2 बजे से 5 बजे से यूजी और पीजी 1 और 3 सेमेस्टर के विद्यार्थियों को परीक्षा देने में समस्या आ रही है। क्योंकि विद्यार्थियों को सुबह विद्यार्थियों को भारी धुंध होने के कारण विद्यार्थियों के निजी वाहन, बस, रेल से आने से आने से लेट हो जाते हैं और शाम पांच बजे जाने के समय विद्यार्थियों को लेट हो जाते हैं। एबीवीपी नेता मयंक बंसल ने बताया कि विश्वविद्यालय और कॉलेज के विद्यार्थियों के एक समय पर दो परीक्षा आयोजित हो रही है। जिसको विद्यार्थियों में असमंजस की स्थिति पैदा हो रही है। परीक्षा के समय में बदलाव किया जाए। क्योंकि जीजेयू हिसार 15 दिसंबर को और कुरुक्षेत्र यूनिवर्सिटी ने 18 दिसंबर को इसी तरह की छात्रहित में परीक्षा समय में बदलाव किया था।

दिया आश्वासन

राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य रोहन सैनी ने बताया कि विश्वविद्यालय और महाविद्यालय विद्यार्थियों को परीक्षा के समय में विद्यार्थी को समस्या आ रही है। इसके बाद कंट्रोलर ने इस विषय में चल्द से जल्द संज्ञान लेने की बात कही है। उसके बाद विश्वविद्यालय प्रशासन ने 26 दिसंबर शाम के समय में 2 बजे होने वाली परीक्षा डेढ़ बजे आयोजित कराई जाएगी।

अविश्वास प्रस्ताव कांग्रेस की हताशा को दर्शाता है : सुरेंद्र

उचाना। मार्केट कमेटी उचाना चेयरमैन सुरेंद्र खरकभूरा ने कांग्रेस द्वारा भाजपा सरकार के खिलाफ लाए गए अविश्वास प्रस्ताव को हताशा और निराशा का प्रतीक बताया है।

जारी बयान में कहा कि पहले से ही स्पष्ट था कि संख्या बल के अभाव में कांग्रेस का अविश्वास प्रस्ताव पारित नहीं हो सकता। कांग्रेस पार्टी द्वारा पिछले पांच वर्षों में तीसरी बार हरियाणा की भाजपा सरकार के खिलाफ सदन में लाया गया अविश्वास प्रस्ताव गिर गया है। यह कांग्रेस की हताशा को दर्शाता है। जिससे स्पष्ट होता है कि जनता बार.बार कांग्रेस को नकार रही है। इतिहास में यह पहली बार है जब प्रदेश की जनता ने लगातार तीसरी बार एक ही पार्टी को पूर्ण बहुमत के साथ सत्ता सौंपी है।

सदभाव यात्रा को मिला जन समर्थन

- तीसरा चरण रेवाड़ी जिले के बावल हलके से शुरू हुआ : विजेंद्र

हरिभूमि न्यूज ▶▶ उचाना

कांग्रेस नेता विजेंद्र डूमरखां ने कहा कि पांच अक्टूबर से प्रदेश भर में सदभाव का संदेश लेकर कांग्रेस नेता एवं पूर्व सांसद बृजेंद्र सिंह निकले है। दो चरणों की यात्रा के बाद के अब तीसरा चरण रेवाड़ी जिले के बावल हलके से शुरू हुआ है। यात्रा को जोरदार समर्थन हर वर्ग का मिल रहा है। इस यात्रा का उद्देश्य जो भाजपा ने भाईचारा खराब किया था उस भाईचारा को दोबारा से कायम करना है। वोटों की राजनीति के लिए भाजपा ने प्रदेश का भाईचारा खराब किया है। आज भाजपा के दो नेता प्रदेश के भाईचारा को खराब करने के लिए तरह-तरह के बयान दे रहे है। इस भाईचारे को दोबारा से कायम करने के लिए ये यात्रा निकाली जा रही है। यात्रा के माध्यम से सैकड़ों लोग कांग्रेस के साथ जुड़ रहे है। भाईचारा का संदेश यात्रा के माध्यम से दिया जा रहा है। यात्रा के मार्गदर्शक के रूप में पूर्व केंद्रीय मंत्री बीरेंद्र सिंह साथ चल रहे है। अब तक 28 हलके हो चुके है। हर हलके में एक-दूसरे से बढ़चकर जन समर्थन मिल रहा है।

उचाना। बृजेंद्र सिंह के साथ यात्रा में शामिल विजेंद्र डूमरखा। फोटो : हरिभूमि

डा. योगेश नांदल को बनाया गया बाल विवाह निषेध जिला कमेटी का सदस्य

- कमेटी का मुख्य उद्देश्य जिले में बाल विवाह की घटनाओं को रोकना, लोगों को कानून की जानकारी देना है : नांदल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ जुलाना

जिला प्रशासन द्वारा बाल विवाह जैसी सामाजिक कुरीति पर प्रभावी रोक लगाने के उद्देश्य से गठित बाल विवाह निषेध जिला कमेटी में आरोग्यम फाउंडेशन के डायरेक्टर डा. योगेश नांदल को सदस्य नियुक्त किया गया है। उनकी नियुक्ति से क्षेत्र में बाल विवाह के खिलाफ चल रहे अभियानों को और मजबूती मिलेगी। डा. योगेश नांदल लंबे समय से सामाजिक कार्यों से जुड़े हुए हैं और समाज में जागरूकता फैलाने के लिए निरंतर सक्रिय भूमिका निभाते रहे हैं। उनकी कार्यशैली, सामाजिक सरोकारों के प्रति संवेदनशीलता और अनुभव को देखते हुए जिला प्रशासन ने उन्हें इस महत्वपूर्ण कमेटी में शामिल किया है। कमेटी का मुख्य उद्देश्य जिले में बाल विवाह की घटनाओं को रोकना, लोगों को कानून की जानकारी देना और समय रहते ऐसे मामलों पर कार्रवाई सुनिश्चित करना है। डा. योगेश नांदल ने कहा कि बाल विवाह समाज के भविष्य के लिए घातक है और इससे बच्चों का शारीरिक, मानसिक व शैक्षणिक विकास प्रभावित होता है। उन्होंने कहा कि वह जिला कमेटी के अन्य सदस्यों के साथ मिल कर गांव-गांव जाकर लोगों को जागरूक करेंगे और बाल विवाह की सूचना मिलने पर तुरंत प्रशासन को अवगत कराएंगे।

डा. योगेश नांदल का फोटो।

पार्क में समय-समय पर चरणबद्ध तरीके से विकास कार्य कराए गए : चेयरपर्सन

आर-3 हुड्डा पार्क अब कहलाएगा अटल बिहारी वाजपेयी पार्क: डॉ. रेखा रानी

नगर पालिका चीका की ओर से 25 लाख रुपये की राशि का टेंडर जारी किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गुहला-चीका

नगर पालिका चीका की चेयरपर्सन डॉ. रेखा रानी ने पत्रकारों से बातचीत करते हुए बताया कि आर-3 हुड्डा क्षेत्र में गुहला चीका रोड पर स्थित पार्क का नाम अब भारत रत्न एवं पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी के नाम पर रखा जाएगा। यह पार्क लगभग 9,920 वर्ग मीटर क्षेत्रफल में विकसित किया जा रहा है। डॉ. रेखा रानी ने बताया कि राज्य सरकार के दिशा-निर्देशों के अनुसार अटल बिहारी वाजपेयी जी की स्मृति में पार्कों का विकास किया जा रहा है। इसी क्रम में संबंधित विभागों से रिपोर्ट भी मांगी गई थी। उन्होंने कहा कि आमजन की भी यही मांग रही है कि इस प्रमुख पार्क को अटल जी के नाम से जाना जाए। उन्होंने बताया कि आर-3 हुड्डा पार्क मुख्य सड़क पर स्थित है, जिससे आसपास की बड़ी आबादी को इसका सीधा लाभ मिलेगा। पार्क में समय-समय पर चरणबद्ध तरीके से विकास कार्य कराए गए हैं। वर्तमान में भी पार्क के सौंदर्यकरण के लिए 25 लाख रुपये की राशि का टेंडर जारी किया गया है, जिसे शीघ्र पूरा कर पार्क को जनता को समर्पित किया जाएगा।

गुहला-चीका। आर-3 हुड्डा क्षेत्र स्थित पार्क, जिसका नाम अब भारत रत्न स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी के नाम पर रखे जाने की घोषणा की गई है। फोटो : हरिभूमि

राज्य सरकार की पहल को बताया सराहनीय

डॉ. रेखा रानी ने आगे जानकारी दी कि पार्क में अटल बिहारी वाजपेयी की प्रतिमा भी स्थापित की जाएगी, जिसका लोकार्पण विभागीय मंत्री के कर-कमलों से कराया जाएगा। उन्होंने बताया कि चीका क्षेत्र में अटल बिहारी वाजपेयी के नाम से अभी तक कोई अन्य संस्थान या स्मृति स्थल नहीं है। ऐसे में यह पार्क क्षेत्र का पहला स्मारक होगा, जो अटल के नाम पर विकसित किया जा रहा है। चेयरपर्सन ने कहा कि राज्य सरकार की यह पहल सराहनीय है। अटल बिहारी वाजपेयी का जीवन देशसेवा को समर्पित रहा है और युवा पीढ़ी को उनके विचारों व जीवन से प्रेरणा लेनी चाहिए।

क्रिसमस स्पेशल

सदियों से मनाया जा रहा प्रभु यीशु के जन्मोत्सव को समर्पित क्रिसमस का पर्व, अब किसी एक क्षेत्र या वर्ग का नहीं ग्लोबल फेस्टिवल बन चुका है। वैश्विक प्रेरणाओं, मानवीय मूल्यों और व्यक्तिगत संवेदनाओं के संगम से आज का क्रिसमस हमें यह सोचने का अवसर देता है कि हम सिर्फ उत्सव न मनाएं बल्कि उत्सव बन जाएं। यही इस दौर के क्रिसमस की सबसे बड़ी और सबसे सकारात्मक उपलब्धि है।

{ कवर स्टोरी / आर. सी. शर्मा }

खुशी-उल्लास-उमंग का ग्लोबल फेस्टिवल क्रिसमस

क्रिसमस एक ऐसा पर्व है जो एक समय तक धार्मिक उत्सव के रूप में मनाया जाता था, लेकिन आज इक्कीसवीं सदी में यह वैश्विक संवेदना, मानवीय एकजुटता और सामूहिक खुशी का प्रतीक बन चुका है। बदलती तकनीक, तेज रफ्तार जीवनशैली, वैश्वीकरण और सामाजिक विविधताओं के बीच भी क्रिसमस का रोमांच कम नहीं हुआ बल्कि कई अर्थों में और गहरा हुआ है।

परंपरा-आधुनिकता का संगम

आज के दौर में क्रिसमस सिर्फ चर्च की घंटियों, कैरोल्स गाने या क्रिसमस ट्री सजाने तक सीमित नहीं है बल्कि यह एक ऐसा अवसर बन चुका है, जहां परंपरा और आधुनिकता एक-दूसरे में घुल-मिल जाती हैं। सोशल मीडिया पर फैली रोशनियां, डिजिटल ग्रीटिंग्स, वर्चुअल पार्टियां और ऑनलाइन गिफ्टिंग, इन सबने क्रिसमस को एक नए स्वरूप से सजा दिया है। जहां पहले क्रिसमस का अनुभव स्थानीय समुदाय तक सीमित रहता था, वहीं आज यह एक ग्लोबल इवेंट बन गया है। न्यूयॉर्क की सड़कों से लेकर टोक्यो, मुंबई और नैरोबी तक हर जगह क्रिसमस की सजावट, संगीत और उल्लास एक साझा भाव पैदा करता है।

खुशियों का नया एहसास

हाल के दशकों में क्रिसमस को लेकर हमारी भावनाओं में निश्चित ही बदलाव आया है। आधुनिक जीवन में तनाव, प्रतिस्पर्धा और अकेलापन बढ़ा है। ऐसे में क्रिसमस एक भावनात्मक विराम की तरह आता है, जहां लोग रुककर रिश्तों, यादों और मानवीय जुड़ाव को महत्व देते हैं। आज की खुशियां सिर्फ उपहारों तक सीमित नहीं रहीं। मानसिक स्वास्थ्य, भावनात्मक सुरक्षा और साथ होने की अनुभूति अधिक महत्वपूर्ण हो गई है। क्रिसमस के समय परिवार या दोस्तों के साथ बैठकर खाना खाना, पुरानी यादें साझा करना या किसी जरूरतमंद की मदद करना, इन सबमें एक गहरी संतुष्टि छिपी है। यानी खुशी की मात्रा नहीं, लेकिन उसकी गुणवत्ता बदली है। यह अधिक संवेदनशील और अधिक मानवीय हुई है।

करुणा-साझेदारी की प्रेरणा

इक्कीसवीं सदी का क्रिसमस हमें कुछ बेहद महत्वपूर्ण वैश्विक प्रेरणाएं देता है। आज क्रिसमस के साथ चैरिटी, फूड डाइव्स, शेल्टर होम्स और ऑनलाइन फंड रेजिंग जुड़ चुके हैं। लोग यह समझने लगे हैं कि सच्चा उत्सव तभी है, जब खुशियां दूसरों के संग बांटी जाएं। क्रिसमस अब सिर्फ ईसाइयों का पर्व नहीं रह गया। गैर-ईसाई समाज भी इसे एक मानवीय और सांस्कृतिक उत्सव के रूप में मनाता है, जो विविधता में एकता का संदेश देता है। युद्ध, संघर्ष और अस्थिरता के वर्तमान दौर में क्रिसमस का 'पीस ऑन अर्थ' वाला विचार, पहले से ज्यादा प्रासंगिक हो गया है। यह हमें याद दिलाता है कि शांति कोई अमूर्त सपना नहीं बल्कि रोजमर्रा के छोटे व्यवहारों से भी संभव है।

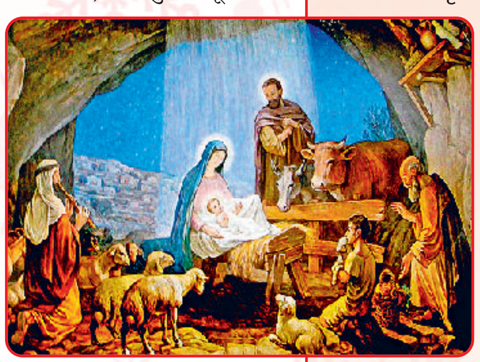

महत्वपूर्ण है अर्थपूर्ण उत्सव

यह सच है कि आधुनिक क्रिसमस में बाजार का प्रभाव बढ़ा है- सेल्स, ऑफर्स और ब्रांडिंग हर जगह दिखती है। लेकिन इसके समानांतर एक नई सोच भी उभर रही है, मिनिमल और अर्थपूर्ण क्रिसमस। आज कई लोग 'कम खरीदो, बेहतर जियो' के विचार के साथ क्रिसमस मना रहे हैं। हैंडमेड गिफ्ट्स, अनुभव आधारित उपहार (जैसे समय देना, साथ घूमना) और पर्यावरण के प्रति जिम्मेदार सजावट। ये बदलाव बताते हैं कि खुशी की अतिरिक्त परतें दिखावे से नहीं, सार्थकता से आती हैं।

क्रिसमस मनाने के ऐतिहासिक-धार्मिक संदर्भ

क्रिसमस ईसाई धर्म का सबसे बड़ा पर्व है, जिसे यीशु मसीह के जन्म की स्मृति में मनाया जाता है। ईसाई मान्यता के अनुसार यीशु का जन्म मानवता को पाप, हिंसा और अन्याय से मुक्ति दिलाने के लिए हुआ था। बाइबिल की कथा के अनुसार, यीशु का जन्म बेथलेहम में एक गौशाला में हुआ, जहां उनकी माता मरियम ने उन्हें जन्म दिया और यूसुफ उनके संरक्षक थे। यह कथा ईसाई धर्म में विनम्रता, त्याग और करुणा का मूल प्रतीक मानी जाती है। 25 दिसंबर को क्रिसमस मनाने की परंपरा यीशु के जन्मदिन से जुड़ी है। इतिहासकारों के अनुसार चौथी शताब्दी में रोमन साम्राज्य ने 25 दिसंबर को यीशु के जन्म दिवस के रूप में स्वीकार किया। इसका एक कारण यह भी था कि इसी समय रोम में 'सैटर्नेलिया' और 'सोल इन्विक्टस' जैसे सूर्य-उत्सव मनाए जाते थे। ईसाई धर्म के प्रसार के दौरान इन लोकप्रिय पर्वों को एक नए धार्मिक अर्थ के साथ जोड़ा गया, जिससे क्रिसमस व्यापक रूप से स्वीकार्य हो सका।

धार्मिक दृष्टि से क्रिसमस सिर्फ जन्मोत्सव नहीं बल्कि ईश्वर के प्रेम के अवतरण का प्रतीक है। ईसाई आस्था के अनुसार यीशु 'ईश्वर के पुत्र' हैं, जो मानव रूप में धरती पर आए ताकि प्रेम, क्षमा और दया का संदेश दे सकें। इसी कारण क्रिसमस के दौरान चर्चों में विशेष प्रार्थनाएं, मध्यरात्रि मिस्सा, कैरोल गायन और बाइबिल पाठ किए जाते हैं।

क्रिसमस सेलिब्रेशन से जुड़ी परंपराएं

क्रिसमस को पारंपरिक रूप से एक धार्मिक, पारिवारिक और सामुदायिक उत्सव के रूप में मनाया जाता है। इसकी तैयारियां एडवेंट काल से शुरू होती हैं, जो क्रिसमस से लगभग चार सप्ताह पहले आता है। इस दौरान लोग आत्मचिंतन, प्रार्थना और संयम पर ध्यान देते हैं। कई परिवार, घरों में एडवेंट कैंडल जलाते हैं, जो आशा और प्रकाश का प्रतीक मानी जाती है। घरों और चर्चों की सजावट, क्रिसमस की सबसे प्रमुख परंपरा है। क्रिसमस-ट्री सजाना भी इसका प्रमुख अंग है, जिसे रोशनी, सितारों, घंटियों और सजावटी गेंदों से सजाया जाता है। ट्री के ऊपर लगाया जाने वाला तारा बेथलेहम के उस तारे का प्रतीक है, जिसने तीन ज्ञानी पुरुषों को यीशु के जन्मस्थल तक पहुंचाया था। साथ ही कई स्थलों पर नैटिविटी सीन (यीशु के जन्म का दृश्य) लगाया जाता है। क्रिसमस ईव (24 दिसंबर की रात) को चर्चों में मिडनाइट मास होती है, जिसमें प्रार्थना, बाइबिल पाठ और सामूहिक कैरोल्स गाए जाते हैं। क्रिसमस के दिन परिवार और मित्र एक साथ मिलते हैं, विशेष भोज का आयोजन होता है और एक-दूसरे को उपहार दिए जाते हैं। बच्चों के लिए सांता क्लॉज की परिकल्पना खास आकर्षण होती है, जो उदारता और खुशी बांटने का प्रतीक है।

सकारात्मक प्रेरणाओं का उत्स

आज के संदर्भ में क्रिसमस हमें तीन सबसे सकारात्मक बातें सिखाता है।

उम्मीद: चाहे दुनिया कितनी भी अनिश्चित क्यों न हो, क्रिसमस उम्मीद का पर्व है। यह नए सिरे से शुरू करने की प्रेरणा देता है।

रिश्तों की प्राथमिकता: यह पर्व याद दिलाता है कि जीवन की असली पूंजी हमारे संबंध हैं, न कि भौतिक उपलब्धियां।

मानवीय गरिमा: क्रिसमस का मूल संदेश- प्रेम, क्षमा और करुणा, आज भी उतना ही प्रासंगिक है, जितना सदियों पहले था। कहने का सार यही है कि इक्कीसवीं सदी में क्रिसमस फेस्टिवल का रोमांच बाहरी चमक से ज्यादा आंतरिक अर्थ में बसता है। हमारी खुशियां शायद अधिक सजावटी नहीं हुईं, लेकिन अधिक सजग जरूर हुई हैं। *

{ अमेजिंग / शिखर चंद जैन }

दुनिया के सबसे अनूठे क्रिसमस-ट्री

क्रिसमस के अवसर पर दुनिया भर में बेशुमार क्रिसमस ट्री सजाए जाते हैं। लेकिन कुछ क्रिसमस ट्री इतने अनूठे तरीके से सजाए जाते हैं कि उनकी भव्यता देखते ही बनती है। यहां हम आपको दुनिया के कुछ ऐसे ही अमेजिंग क्रिसमस ट्री के बारे में बता रहे हैं।

रॉकफेलर सेंटर क्रिसमस-ट्री यूनाइटेड स्टेट्स ऑफ अमेरिका

रॉकफेलर सेंटर क्रिसमस-ट्री, 3 दिसंबर की शाम से ही आम लोगों के देखने के लिए अपनी सजधज के साथ रेडी हो जाता है। यह 75 फुट ऊंचा नॉर्वे स्प्रूस पेड़ है, जो ईस्ट ग्रीनबुश, न्यूयॉर्क से लाया गया है। इसे मैनहट्टन के मध्य में 30 रॉकफेलर प्लाजा में सजाया जाता है। यह 10 जनवरी तक देखने के लिए उपलब्ध रहता है। 2004 से स्थापित यह क्रिसमस ट्री 30,000 एलईडी लाइटों से रोशन होता है, जो सौर पैनलों से चलती हैं। 2007 से इस पर 550 पाउंड का स्वारोवस्की क्रिस्टल स्टार लगा हुआ है।

क्रिसमस का उत्सव क्रिसमस-ट्री के बिना अधूरा है। वैसे तो क्रिसमस-ट्री वास्तव में पाइन, डगलस, बालसम या फर का पेड़ होता है। ये पेड़ सदा हरे-भरे रहते हैं इसलिए इन्हें सजावट के लिए चुना जाता है। लेकिन दुनिया भर में अलग-अलग चीजों के उपयोग से एक से बढ़कर एक कृत्रिम क्रिसमस-ट्री भी खूब बनाए और सजाए जाते हैं। आइए जानते हैं कुछ अनूठे क्रिसमस-ट्री के बारे में।

टंबलवीड ट्री यूएसए: चांडलर, संयुक्त राज्य अमेरिका के एरिजोना राज्य में मैरिकोपा काउंटी में स्थित एक शहर और फीनिक्स का एक उपनगर है। यह तकनीक और नवाचार का एक प्रमुख केंद्र है। यहां टंबलवीड-ट्री नामक प्रसिद्ध क्रिसमस-ट्री है, जिसे हर साल एक खास परंपरा के तहत बनाया जाता है। 1957 से चली आ रही इस परंपरा में हजारों टंबलवीड्स और रोशनी का उपयोग होता है। इसकी शुरुआत तब हुई, जब आग लगने से शहर की क्रिसमस की सजावट नष्ट हो गई थी। तब लोगों ने इस अनूठे पेड़ का इस्तेमाल किया था। यह पारंपरिक क्रिसमस-ट्री की तरह नहीं है, बल्कि सूखी झाड़ियों (टंबलवीड्स) को इकट्ठा करके बनाया जाता है। इसे बनाने के लिए लगभग 1,000 से अधिक टंबलवीड्स और 1,200 रंगीन बल्बों का उपयोग किया जाता है।

बिग क्रिसमस-ट्री इटली: यह दुनिया के सबसे अनूठे और सबसे ज्यादा लाइटों वाले क्रिसमस-ट्रीज में शामिल है। इटली के गुब्बीओ में माउंट इजिनो पर बना यह विशाल-ट्री 1981 से मौजूद है। यह दुनिया के सबसे बड़े क्रिसमस-ट्री के रूप में जाना जाता है, जिसे 1991 में गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में दर्ज किया गया था। यह माउंट इंगिनो की ढलान पर हजारों लाइटों और 7.5 किमी लंबे बिजली के तार से बना एक भव्य लाइट डेकोरेशन से बनता है, जो एक विशाल क्रिसमस-ट्री का आकार लेता है। इसकी ऊंचाई लगभग 750 मीटर और आधार पर चौड़ाई 450 मीटर होती है। इसे आमतौर पर 7 दिसंबर से 6 जनवरी तक सजाया जाता है। हर साल क्रिसमस के समय हजारों पर्यटक इसे देखने आते हैं।

स्काई ट्री जापान: क्रिसमस के अवसर पर जापान के टोक्यो में कई प्रसिद्ध क्रिसमस ट्री और लाइट-अप शोज डेकोरेट किए जाते हैं, जिनमें टोक्यो स्काई-ट्री का विशालकाय क्रिसमस-ट्री भी शामिल है। टोक्यो स्टेशन के मारुनोउची क्षेत्र के पास किट्टे बिल्डिंग के बाहर जापान का यह सबसे बड़ा क्रिसमस-ट्री सजाया जाता है। यह 14 मीटर ऊंचा है। इसे आकर्षक रोशनी से सजाया गया है। यहां लगभग 500,000 बल्ब्स का शो आयोजित होता है, जो 'क्विंकल थ्री स्टार्स' और अन्य लाइट-अप थीम के साथ प्रदर्शित किया जाता है। किट्टे बिल्डिंग टोक्यो में सबसे ऊंची इमारत है, जो इसका प्रतीक चिन्ह भी बन गया है। इनके निकट ही स्थित ग्योको-डोरी स्ट्रीट और नाका-डोरी स्ट्रीट को भी उत्सव की रोशनी से सजाया जाता है। इसके अतिरिक्त क्रिसमस के अवसर पर यहां के ओमोतेसांडो, रोपोंगी और ओडेबा जैसे कई क्षेत्रों में सुंदर लाइटिंग डिस्प्ले आयोजित किए जाते हैं।

ओरिगामी क्रिसमस-ट्री यूएसए: न्यूयॉर्क का वर्ल्ड फेमस ओरिगामी क्रिसमस-ट्री, किसी भी दूसरे क्रिसमस-ट्री से अलग है। यह अमेरिकन म्यूजियम ऑफ नेचुरल हिस्ट्री (एएमएनएच) में मौजूद है। यह लगभग 13 फीट लंबा पेड़, कागज से बने हुए जानवरों, जड़ी-बूटियों और अन्य आकृतियों से

सजाया जाता है, जो ओरिगामी कलाकारों द्वारा बनाए जाते हैं। विभिन्न प्रकार के ओरिगामी रंगों में सजा यह पेड़ देखने में बहुत आकर्षक और बेहद रंगीन लगता है। *

{ कविता / हेमधर शर्मा }

कृतज्ञता और कृतघ्नता

जो देता है हम उसे देवता कहते हैं
फिर क्यों हरदम लेने की
इच्छा रखते हैं?
जड़ जिन्हें समझते हैं हम
पौधे-पेड़ सभी तो देते हैं
फिर याचक बनकर ही
खुश क्यों हम रहते हैं?
हो सकता है हों बुद्धिमान हम
दुनिया में सबसे ज्यादा
खुदगर्ज बनाए लेकिन जो
क्या बुद्धि उसी को कहते हैं?
लेता है कोई काम अगर
प्रतिदान नहीं देता है तो
अन्यायी उसे समझते हैं
फिर जड़-चेतन सबसे लेकर
मन में कृतज्ञ भी हो न सके
ऐसा कृतघ्न मानव बनकर
कैसे हम सब जी लेते हैं?

{ व्यंग्य / सूर्यकुमार पांडेय }

अपने यहां आजकल जो भी होता है, कैमरे के सामने ही होता है। इसकी एक चमक के आगे दुनिया की हर चमक-दमक फीकी है। कैमरा नहीं, तो शादी-ब्याह तक में भी किसी की कमर न लचके।

कैमरों की चमकती चंचल चाहतें

अपने यहां आजकल जो भी होता है, कैमरे के सामने ही होता है। इसकी एक चमक के आगे दुनिया की हर चमक-दमक फीकी है। कैमरा नहीं, तो शादी-ब्याह तक में भी किसी की कमर न लचके। वह तो यह कैमरा ही है, जिसके आते ही तमाम बाराती नागिन हो जाते हैं और उनकी रूमाल से अपने आप ही बीन की धुनें निकलने लग जाती हैं। सोचता हूं, कहीं कल जंगल में मोर भी यह कहकर नाचने से इनकार न कर दें कि इधर कैमरे तो हैं ही नहीं। जब कोई फिल्म ही नहीं बना रहा, तो फिर जंगल में ऐसे नाच का आखिर फायदा भी क्या?

धरना, प्रदर्शन, अनशन, घेराव, रैली, भाषण, चुनाव, सबको कैमरे चाहिए। वह भी ऐसे-वैसे नहीं, समाचार चैनलों वाले। एक नहीं, अनेक। हर कोण से कवरेज जरूरी है। जिस काम को दुनिया न देखे, वह काम भी किस काम का? जिन्हें इन कैमरों से ज्यादा लगाव होता है, ऐसे साहसी लोग गुप्त कैमरों से भी भय नहीं खाते। यह जानते हुए कि जमाना स्टिंग ऑपरेशन का है और कभी भी धरे जा सकते हैं, वे तब भी अपना असली काम कर ही डालते हैं।

'आप कैमरे की नजर में हैं।' मैं जहां कहीं पर भी यह बोर्ड लगा देखता हूं, मुझे हंसी आने लगती है। ऐसे बोर्ड चोर को पकड़ने के लिए लगाए गए होते हैं कि उन्हें सहयोग करने के लिए कि यहां हरकत की, तो तू पकड़ा जा सकता है। जा, बिना कैमरे वाली जगह तलाश। मैं सोचता हूं, यदि चोर भी सीसीटीवी कैमरों से भयग्रस्त होकर अपना चौर्य-कर्म त्याग चुके होते, तो हम आए दिन चोरी की वारदात की खबरें पढ़ने, सुनने और देखने को तरस जाते। क्या पता, कैमरा उन्हें नया उत्साह देता हो। अब तो कैमरों को प्रोफेशनल फोटोग्राफरों की दरकार भी नहीं रही। सभी के हाथों में मोबाइल कैमरे हैं और सेल्फियों की चमकती हुई चंचल चाहतें। इसके एकनेत्री स्वरूप पर आज पूरा विश्व मोहित है। तभी तो, युद्ध हो या शांति, लोग अपनी आंखों से अधिक इन कैमरों की दिखलाई हुई चीजों पर विश्वास करने लगे हैं। *

{ लघुकथा / चंद्रप्रकाश डाले }

उपेक्षा के आंसू

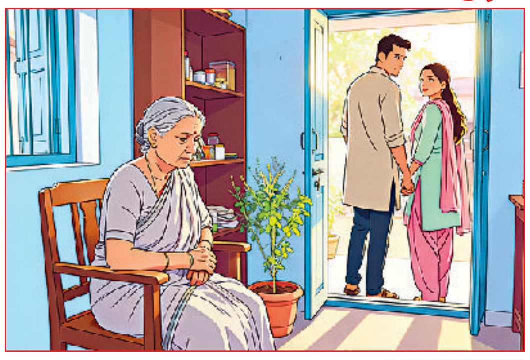
एआई इमेज

अस्पताल में चार दिनों से भर्ती सविता जी ने नर्स से पूछा, 'सिस्टर, मेरा बेटा आया था क्या?'

नर्स बोली, 'अरे माता जी, आप चार दिन से यही रट लगाए हैं कि बेटा आया है क्या, अरे आज तो आपकी छुट्टी होने वाली है।'

मां की आंखों में आंसू आ गए। रुंधे गले से बोलीं, 'मैं उसकी मां हूं ना। मैंने बड़ी तकलीफ, त्याग और तपस्या से उसको पाला है। इसलिए बार-बार उसके बारे में पूछती हूं। खैर, कोई बात नहीं।'

नर्स बोली, 'माता जी, बस आप तैयार हो जाइए, अस्पताल से छुट्टी मिल गई है, अब आपको घर जाना है, अपने बेटे के पास। आपके बिल वगैरह सब बन गए, उसका पेमेंट भी मिल चुका है।'

सविता ने फिर पूछा, 'मेरा बेटा लेने आया है क्या?'

'नहीं माता जी, ड्राइवर गाड़ी लेकर आया है।' नर्स ने बताया।

कुछ न कहकर, आंखों में आंसू छुपाते हुए सविता जी गाड़ी में बैठकर घर पहुंच गईं, लेकिन बेटे की उपेक्षा से खुद को थका हुआ और निराश महसूस कर रही थीं।

कुछ देर बाद ही बहू के मायके से फोन आया कि उसकी मां की तबियत खराब हो गई है। बहू ने तत्काल अपने पति को ऑफिस में फोन किया और बोली, 'आप तुरंत घर आ जाइए, मेरी मां की तबियत बहुत खराब है। और सुनो चार-पांच दिनों की छुट्टी भी ले लेना। मां को अस्पताल में भर्ती कराकर उनकी देखभाल के लिए वहां रुकना होगा।'

सासु मां की तबियत की खबर सुनकर सविता जी का बेटा तत्काल घर आ गया और जल्दी से तैयार होकर अपनी पत्नी के साथ ससुराल जाने लगा। दरवाजे से बाहर निकलते हुए जैसे उसे कुछ याद आया और वह पलटकर अपनी मां से बोला, 'मां, हम दोनों चार-पांच दिन के लिए जा रहे हैं। आप घर का ख्याल रखना।'

मां ने उन दोनों को जाते हुए देखा। मायूस होकर पास रखी कुर्सी पर बैठ गई। सोचने लगी, अस्पताल में भी वह अकेली थी, अब घर में भी अकेली है। साथ में थे तो सिर्फ आंसू। उपेक्षा से उपजे आंसू। *

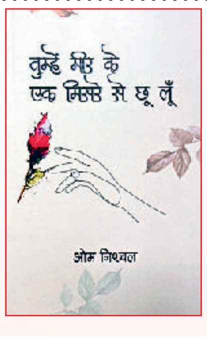

{ पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण }

अंतस को छूते गीत

वरिष्ठ साहित्यकार ओम निश्चल के गीतों का नया संग्रह 'तुम्हें मीर के एक मिसरे से छू लूं' हाल में छपकर आया है। आज के दौर में जब छंदमुक्त कविताओं की बाढ़ आई हुई है, ऐसे में अत्यंत कोमलता को खुद में समेटे हुए, रुई के फाहे-से ये गीत हमारी रूह को हौले से छू लेते हैं। इन गीतों में खास तौर पर प्रेम के अनेक रंग तो पैबस्त हैं ही, इनके साथ ही जीवन की विडंबनाएं, अलग-अलग ऋतुओं का सौंदर्य, खेती-किसानी, मिट्टी का सोंधापन, सांस्कृतिक नगरों की छटा, पारंपरिक पर्वों की आभा, ईश्वर के प्रति अहैतुक आस्था और कुछ अनकहे से रिश्तों की खुश्बू को भी शिद्दत से महसूस किया जा सकता है। गीतों के रचाव और शब्दों के चयन में ओम जी प्रयोगधर्मी रहे हैं, किसी भाषा को लेकर उनकी रचनात्मकता में कोई हठधर्मिता नहीं दिखती है। इसके साथ ही वे पढ़ने वाले के अंतस में भावनाओं का अप्रतिम प्रतिसंसार भी रचते चलते हैं। इसकी बानगी संग्रह के कई गीतों में देखी जा सकती है। अतीत में घटित प्रेम को बेहद मार्मिकता से वे शब्दों में पिरोते हुए कहते हैं, *'पलकें बोझिल और उनींदी रातें होती थीं/बरसों पहले तुमसे कितनी बातें होती थीं।'* तो कहीं जीवन की क्रूरता के समक्ष विवश मन कराह उठता है, *'प्रार्थना में फूल, मन में अर्घ्य देकर/लौट आए डबडबाई आंख लेकर।'* कहीं अपने आराध्य प्रभु की भक्ति में गीतकार का मन पुलकित होकर गा उठता है, *'दीप घर-घर जले हैं अवध में पिया/आज लौटे अयोध्या में रघुवर-सिया।'* तो कहीं प्राचीन नगर के सांस्कृतिक वैभव को देखकर वे अंतस के उल्लास को व्यक्त करने से रोक नहीं पाते, *'काशी के घाट निराले, रे भैया/काशी के घाट निराले।'* और प्रेम मिलन को व्यक्त करती ये पंक्तियां तो बेमिसाल हैं, *'पलकों को होठों की धड़कन से छू लूं/सुनाऊं गजल कोई गालिब की तुमको/तुम्हें मीर के एक मिसरे से छू लूं।'* *

पुस्तकः तुम्हें मीर के एक मिसरे से छू लूं (गीत-संग्रह), रचनाकारः ओम निश्चल, मूल्यः 300 रुपए, प्रकाशकः हिंदी अकादमी, दिल्ली

अवसर जब क्रिसमस का हो तो केक का जिक्र होता ही है। घर-घर में इसे बनाया और फ्रेंड्स-रिलेटिव्स के संग एंज्वॉय भी किया जाता है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि केक बनाने की शुरुआत कब हुई? इसका आकार, स्वाद कैसे बदला? जानिए, केक से जुड़ी कुछ रोचक बातें।

टेस्टी केक से जुड़ी अनूठी-रोचक बातें

रोचक / शिखर चंद जैन

बच्चे ही नहीं, बड़ी उम्र के भी अधिकांश लोगों को केक खाना पसंद होता है। किसी का बर्थडे हो या मैरिज एनिवर्सरी या कोई और सेलिब्रेशन, खुशी और जश्न के खास मौकों पर केक कट कर खिलाने का चलन है। केक खाने में जितने यमी होते हैं, उतनी ही दिलचस्प इससे जुड़ी कुछ बातें भी हैं। इनके बारे में यहां बता रहे हैं।

कैसा था शुरुआती केक: शुरुआती दौर में बनने वाले केक आज की तरह सॉफ्ट, डिजाइनर और अट्रैक्टिव नहीं होते थे। ये अनाज के बने हुए सघन और चपटे (डेंस और फ्लैट) होते थे। इन्हें पीसे हुए अनाजों में खमीर (यीस्ट) उठाकर बनाया जाता था। फिर इन्हें सुखाकर जमाया जाता था। आज हम जिस तरह के केक का आनंद लेते हैं, उनसे मिलते-जुलते केक 18वीं-19वीं शताब्दी में बनने शुरू हुए।

ऐसे हुई क्रिसमस केक की शुरुआत: रोम में शुरुआती दौर में क्रिसमस के अवसर पर मीठी रोटियां बनाई जाती थीं। मध्यकाल तक आते-आते इन मीठी रोटियों का स्थान प्लम-पॉरिज (आलू बुखारा, ओट्स, फ्रूट्स, ड्राय फ्रूट्स आदि मिलाकर बनाया गया दलिया) ने ले लिया। 16वीं सदी तक आटे, अंडे, मक्खन से प्लम केक बनने शुरू हो गए। इसे 'ट्वेल्थ नाइट केक' कहा जाता था। धीरे-धीरे ये ट्वेल्थ नाइट केक, क्रिसमस के उत्सव का एक अभिन्न हिस्सा बन गए। आज क्रिसमस के अवसर पर हम जो 'फ्रूट केक' या 'आइस्ड केक' खाते हैं, वह इसी ट्वेल्थ नाइट केक का अपडेटेड वर्जन है।

केक पर सर्वाधिक कैंडल्स जलाने का रिकॉर्ड: क्या आप जानते हैं कि बर्थडे केक पर सबसे अधिक कैंडल्स जलाने का एक वर्ल्ड रिकॉर्ड भी है? जन्मदिन के केक पर सबसे ज्यादा मोमबत्तियां जलाने का विश्व रिकॉर्ड 2016 में आश्रिता फुरमान और न्यूयॉर्क स्थित श्री चिन्मय केंद्र ने बनाया था, जब केक पर 72,585 मोमबत्तियां जलाई गई थीं। यह केक ध्यान गुरु श्री चिन्मय के 85वें जन्मदिन के उपलक्ष्य में बनाया गया था। श्री चिन्मय केंद्र के 100 सदस्यों ने मिलकर यह अनोखा वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया था।

बर्थडे पर केक काटने की शुरुआत: जन्मदिन के अवसर पर दुनिया के अधिकांश देशों में केक काटा जाता है, खाया-खिलाया जाता है। माना जाता है कि 16वीं-17वीं सदी में जर्मनी में पहली बार छोटे बच्चों का जन्मदिन मनाने के लिए केक बनाना शुरू किया गया। इस केक को 'किंडरफेस्ट' कहा जाता था। ये केक दिखने में आज के केक से काफी मिलते-जुलते होते थे। फिर धीरे-धीरे केक बर्थडे सेलिब्रेशन का महत्वपूर्ण हिस्सा बनता गया।

पॉपुलर केक फ्लेवर्स: जन्मदिन के केक की बात करें तो ज्यादातर लोगों के लिए चॉकलेट सबसे पसंदीदा फ्लेवर होता है, उसके बाद नंबर आता है वनीला फ्लेवर का। जर्मन चॉकलेट केक दुनिया के सबसे मशहूर केक्स में से एक है। इंटरेस्टिंग बात यह है कि 'जर्मन चॉकलेट केक' की उत्पत्ति जर्मनी में नहीं हुई थी। दरअसल, इसका संबंध सैमुअल जर्मन नामक एक अमेरिकी व्यक्ति से था, जिन्होंने 1852 में एक डार्क बेकिंग चॉकलेट बनाई थी। इसे 'जर्मन्स स्वीट चॉकलेट' के नाम से जाना जाता था। 1957 में इस रेसिपी का इस्तेमाल केक बनाने में किया गया और 'जर्मन्स चॉकलेट केक' शीर्षक से प्रकाशित किया गया था। तब से इसे इसी नाम से जाना जाता है। *

केक से रिलेटेड कुछ इंटरेस्टिंग फैक्ट्स

- दुनिया का सबसे महंगा केक 'पाइरेट्स फैंटेसी' था जिसकी कीमत लगभग 35 मिलियन डॉलर थी।

- शिकागो के पैट्रिक बर्टोलेटी 'डीप डिश' ने 2012 में छह मिनट में 72 कप केक खाने का वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया।
- कप केक की रेसिपी गूगल पर सबसे ज्यादा सर्च की जाने वाली रेसिपीज में से एक है।
- दुनिया का सबसे ऊंचा केक बनाने का वर्ल्ड रिकॉर्ड इंडोनेशिया की राजधानी जकार्ता के कुछ स्कूली बच्चों के नाम है। 33 मीटर (108.27 फीट) ऊंचे इस केक को हाकासिमा-निलासरी कलिनरी स्कूल के बच्चों ने क्रिसमस के अवसर पर बनाया था।
- पुराने जमाने में इंग्लैंड में मान्यता थी कि तकिए के नीचे 'फ्रूट केक' रखकर सोने से सुंदर पति मिलता है। इसे 'ड्रीमिंग केक' भी कहा जाता था।

पहला मैरिज फंक्शन केक

आजकल शादियों में भी केक काटने का ट्रेंड बढ़ने लगा है। यह परंपरा कब से शुरू हुई, यह तो पुख्ता तौर पर नहीं कहा जा सकता, मगर पहले विवाह केक का उल्लेख 1858 में मिलता है। यह ब्रिटेन की महारानी विक्टोरिया की सबसे बड़ी बेटी (उसका नाम भी विक्टोरिया था) के मैरिज फंक्शन के लिए बनाया गया था। प्रिंसेस विक्टोरिया का विवाह केक तीन गज चौड़ा और 300 पाउंड वजन का था, लेकिन वह सिर्फ एक मंजिला था। उनकी शादी के केक पर सफेद आइसिंग का पहली बार इस्तेमाल किया गया था। तभी से इस तरह की आइसिंग को 'रॉयल आइसिंग' के नाम से जाना जाता है।

हम जो चाहते हैं, हमेशा वैसा ही हो, यह हमारे हाथ में नहीं है। लेकिन खुश रहना हमारे हाथ में है। कुछ छोटी-छोटी बातों और आदतों को अगर हम अपने जीवन का हिस्सा बना लें तो यकीन मानिए, हम हमेशा खुश रह सकते हैं। ऐसी ही कुछ काम की बातों के बारे में जानिए।

अपना लें ये आदतें हमेशा रहेंगे खुश

लाइफस्टाइल / अंजू जैन

किसी ने कितनी सही बात कही है, 'अपने दुःखों को भगाने का एक ही रास्ता है, खुश रहना।' सब खुश रहना चाहते हैं लेकिन बहुत कम लोग जानते हैं कि खुशियों को अपने दामन में समेट कर कैसे रखा जाए? डॉ. ए. शिंडलर के अनुसार, 'दुःख ही सभी मनोदैहिक रोगों का एकमात्र कारण है और खुशी ही एकमात्र उपचार है।' डिजीज शब्द का अर्थ ही दुःख की अवस्था है। डिज-ईज यानी आराम से न रहना। दरअसल, खुशी एक मानसिक स्थिति है, जो काफी हद तक हमारी आदतों पर निर्भर करती है।

क्या है हैप्पी-ओलॉजी: विशेषज्ञों का मानना है कि खुशी हासिल करने का एक वैज्ञानिक नजरिया भी होता है और हर कोई अपने दैनिक जीवन में खुश होने के लिए छोटे-छोटे कारण ढूंढ सकता है। इसे ही 'हैप्पी-ओलॉजी' कहते हैं। इसके मुताबिक किसी वस्तु, व्यक्ति या स्थिति से खुश या संतुष्ट होना आपके ऊपर निर्भर करता है। आप चाहें तो किसी बात से चिढ़कर गुस्सा या उदास हो सकते हैं और आप चाहें तो इन नकारात्मक भावनाओं से ऊपर उठकर खुद को खुश रख सकते हैं, यानी खुश रहना हमारे हाथ में है। सुविख्यात लेखक एवं विज्ञान डेल कार्नेगी ने भी कहा है, 'प्रसन्नता बाहरी परिस्थितियों पर निर्भर नहीं करती, वह हमारे मानसिक दृष्टिकोण से संचालित होती है।' विलियम जेम्स ने कहा है, 'हम इसलिए नहीं हंसते कि हम खुश हैं, बल्कि हम इसलिए खुश हैं कि हम हंसते हैं।'

खोज लीजिए अपना हैप्पियोलॉजिस्ट: व्यवहार विशेषज्ञ कहते हैं, आप खुद अपना हैप्पियोलॉजिस्ट खोज सकते हैं। अपने इर्द-गिर्द एक ऐसे इंसान को ढूंढ निकालें, जो आपके हिसाब से सदा खुश रहता है और उसे अपना आदर्श यानी हैप्पियोलॉजिस्ट बना लें। आप देखेंगे कि ये लोग जरा-जरा सी बातों में ही बच्चों की तरह खुश हो जाते हैं और खिलखिलाकर हंसने लगते हैं। ये खुशी हमारे सोचने के तरीके पर निर्भर करती है। कोई चाहे तो 10 रुपए की ऑरेंज आइसक्रीम खाकर खुश और संतुष्ट हो सकता है, वहीं आदतन दुःखी रहने वाला इंसान 100-150 की ब्रांडेड आइसक्रीम खाकर भी दुःखी ही नजर आएगा और उसके स्वाद में कोई न कोई नुक्स ढूंढ़ निकालेगा।

छोटी-छोटी चीजों में खोज लें खुशी: वैज्ञानिकों ने अपनी स्टडीज में पाया है कि खुश होने के लिए आप बड़ी चीजों का इंतजार न करें, छोटी-छोटी बातों में खुशी ढूंढें। मिरियम लीगलर ने अपनी पुस्तक 'फाइंडिंग योर इनर हैप्पियोलॉजी' में लिखा है, 'हमारी रोजमर्रा की जिंदगी में बहुत-सी सामान्य चीजें ऐसी हैं, जिनसे हम खुशी महसूस कर सकते हैं। बस इन चीजों के प्रति हमारा नजरिया ऐसा होना चाहिए।'

ठान लें कि खुश रहना है: वाल्टेयर ने कहा है, 'मैंने खुश रहना चुना, क्योंकि यह मेरे स्वास्थ्य के लिए लाभदायक है।' इस संबंध में अब्राहम लिंकन की बात भी बेहद महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा था, 'अधिकांश लोग लगभग उतने ही खुश होते हैं, जितना खुश रहने का वे मन बनाते हैं।' हैप्पियोलॉजिस्ट सुजाना हैलोनेस किसी समय एक दुःखी और निराश इंसान थीं। उन्हें अपनी जिंदगी और जॉब से बेशुमार शिकायतें थीं। एक दिन अचानक उन्होंने खुद को बदल डाला। अब वे हैप्पीनेस के प्रोजेक्ट पर काम करती हैं और बेहद खुश रहती हैं।

खुशी से मिलेगी सफलता: सुजाना हैलोनेस अपनी वेबसाइट पर लिखती हैं, 'मैंने सीख लिया कि सफलता से खुशी नहीं मिलती बल्कि खुशी से सफलता मिलती है।' खुश रहने से हमारा आत्मविश्वास बढ़ता है, साथ ही हमारी क्रिएटिविटी और प्रोडक्टिविटी भी बढ़ती है। लोगों के साथ रिश्ते भी इंप्रूव होते हैं। जाहिर है, खुशी सफलता का माध्यम बन जाती है। सुजाना कहती हैं, 'खुशी एक अभ्यास है, मंजिल नहीं।'

मुस्कुराइए-हंसिए हर रोज: ब्रिटेन के हिप्नोटिस्ट और व्यवहार विज्ञानी पॉल मैकेना ने अपनी किताब 'आइ कैन मेक यू हैप्पी' में लिखा है कि रोज 20 बार हंसें और 20 बार मुस्कुराएं। भले ही आपको ऐसा जबरन करना पड़े। मुस्कुराने और हंसने से आपके शरीर में सेरोटोनिन रिलीज होता है, जो एक फील गुड हॉर्मोन है। कुछ दिनों बाद आप खुश रहने के अभ्यस्त हो जाएंगे। *

जानकारी / अलका 'सोनी'

इसलिए कहते हैं मैरी क्रिसमस!

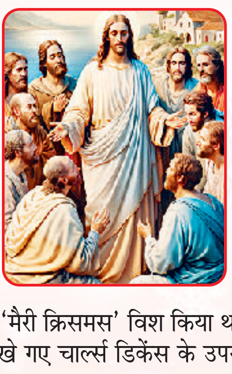

क्रिसमस का त्योहार लगभग पूरी दुनिया में मनाया जाता है। सभी देश अपने-अपने तरीके से इसे मनाते हैं। इसे मनाने का तरीका चाहे जो भी हो, एक बात जो हर जगह कॉमन होती है वह है क्रिसमस की शुभकामनाएं एक-दूसरे को देते हुए 'मैरी क्रिसमस' बोलना। अन्य मौकों पर, चाहे वो न्यू ईयर हो या फिर होली, दीवाली जैसे त्योहार। लोग एक-दूसरे को 'हैप्पी' बोलकर शुभकामनाएं देते हैं, जैसे- 'हैप्पी न्यू ईयर', 'हैप्पी दिवाली' आदि। लेकिन क्रिसमस के लिए बोलते हैं- मैरी क्रिसमस।

कैसे हुई 'मैरी क्रिसमस' बोलने की शुरुआत: क्रिसमस विश करने के लिए 'मैरी क्रिसमस' बोलने की शुरुआत को लेकर कई संदर्भ मिलते हैं। सन 1534 में लंदन के बिशप जॉन फिशर ने क्रिसमस के मौके पर हेनरी अष्टम के प्रमुख मंत्री थॉमस क्रोमवेल को पत्र लिखकर 'मैरी क्रिसमस' विश किया था। इसके अलावा मैरी क्रिसमस बोलने का उल्लेख 1843 में लिखे गए चार्ल्स डिकेंस के उपन्यास 'ए क्रिसमस कैरोल' में भी किया गया है।

मदर मैरी के सम्मान में: ईसा मसीह की मां 'मरियम' ईसाई धर्म में बहुत सम्मानित मानी जाती हैं। उन्हें सभी ईसाइयों की माता और मानव जाति में सर्वोच्च इंसान माना जाता है। मरियम को 'मैरी' नाम से भी जाना जाता है। इसलिए एक मान्यता यह भी है कि मदर मैरी के प्रति सम्मान प्रकट करते हुए 'हैप्पी क्रिसमस' के स्थान पर 'मैरी क्रिसमस' बोलकर क्रिसमस विश किया जाता है।

मतलब है समान: 'मैरी' शब्द का अर्थ हर्षित, आनंदित या उल्लासपूर्ण होता है। यह शब्द अकसर उत्सव और खुशी के अवसरों के साथ जुड़ा होता है। 'हैप्पी' का अर्थ होता है 'खुश' या 'संतुष्ट'। कुछ भाषाविदों का मानना है कि 'हैप्पी' व्यक्तिगत खुशी पर जोर देता है, जबकि 'मैरी' सामूहिक और सांस्कृतिक उत्सव की खुशियों को व्यक्त करता है। क्रिसमस विश करने के लिए 'मैरी' शब्द इसलिए उपयुक्त माना जाता है क्योंकि यह उत्सव और उल्लास के सामूहिक अभिव्यक्ति को बेहतर ढंग से प्रकट करता है। बहरहाल, मैरी या हैप्पी दोनों ही शब्दों का प्रयोग खुशी जाहिर करने के लिए ही किया जाता है। इसलिए आप इनमें से कुछ भी बोलकर विश कर सकते हैं। *

भारत में प्राचीन काल से ही एक से बढ़कर एक गणित के प्रकांड ज्ञानी हुए हैं। राष्ट्रीय गणित दिवस (22 दिसंबर) के अवसर पर हम आपको कुछ महान भारतीय गणितज्ञों के बारे में बता रहे हैं।

गणित को समृद्ध करने वाले भारत के महान गणितज्ञ

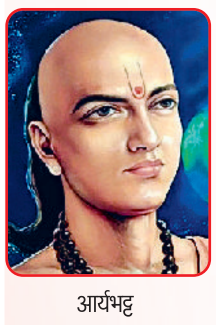

आर्यभट्ट

श्रीनिवास रामानुजन

सी. आर. राव

विभूतियां / नेहा जैन

यह हम भारतीयों के लिए गर्व का विषय है कि भारत के विद्वानों ने दुनिया को गणित के महत्वपूर्ण, मूलभूत सिद्धांतों और नियमों की जानकारी दी। 400 ई. से 1500 ई. के बीच के काल को भारतीय गणित का स्वर्ण युग कहा जाता है। इस काल में भारतीय गणितज्ञों ने कई नए गणितीय सिद्धांत दिए। भारतीय गणितज्ञों को कालखंड के हिसाब से मुख्यतया दो भागों में बांटा जा सकता है-पूर्ववर्ती काल के गणितज्ञ और आधुनिक भारत के गणितज्ञ। पूर्ववर्ती काल के गणितज्ञों में शामिल कुछ प्रमुख हस्तियां हैं-

आर्यभट्ट (476-550 ईस्वी): इन्हें भारतीय गणित का पिता माना जाता है। आर्यभट्ट ने अपने ग्रंथ 'आर्यभटीय' के माध्यम से गणितीय सोच में क्रांति ला दी। उन्होंने ही स्थानीय मान प्रणाली, शून्य की अवधारणा और त्रिकोणमितीय कार्यों के प्रारंभिक रूपों को प्रस्तुत किया। आर्यभट्ट ने ही 'पाई' के मूल्य की सटीक गणना की, बीजीय समीकरणों के समाधान प्रस्तावित किए और पृथ्वी के अपने अक्ष पर घूमने की व्याख्या की। यह अवधारणा अपने समय से बहुत आगे थी।

ब्रह्मगुप्त (598-668 ईस्वी): शून्य को एक संख्या के रूप में मानने और उसके लिए नियम स्थापित करने वाले ब्रह्मगुप्त पहले व्यक्ति थे। इसके अलावा, उन्हें द्विघात समीकरण का पहला स्पष्ट विवरण देने और गुरुत्वाकर्षण को एक आकर्षक बल के रूप में वर्णित करने के लिए जाना जाता है। 'ब्रह्मस्फुट सिद्धांत' और 'खंडखाद्यक' उनकी दो सबसे प्रसिद्ध कृतियां हैं।

भास्कर प्रथम (600-680 ईस्वी): इन्होंने संख्याओं को लिखने के लिए हिंदू और अरबी दशमलव पद्धति का प्रयोग सबसे पहले किया था। 'आर्यभटीय' पर उनका विश्लेषणात्मक कार्य, 'आर्यभटीय भाष्य', खगोल विज्ञान और गणित पर सबसे प्राचीन संस्कृत ग्रंथ माना जाता है। उन्हें स्थानीय मान के अनुसार संख्याओं के निरूपण के लिए विशेष रूप से जाना जाता है।

भास्कर द्वितीय (1114-1185 ईस्वी): इन्होंने नक्षत्र वर्ष की लंबाई और चंद्रमा के समीकरण जैसी कई खगोलीय राशियों को परिभाषित किया था। अवकल कलन (डिफरेंशियल कैलकुलस) के सिद्धांतों की खोज, दशमलव प्रणाली का व्यवस्थित उपयोग भी इनकी देन है। इन्होंने ज्यामिति और बीजगणित से संबंधित महत्वपूर्ण ग्रंथों- 'लीलावती' और 'बीजगणिताध्याय' की रचना की।

संगमग्राम के माधव (1340-1425 ईस्वी): यूरोपीय 'कैलकुलस' से सदियों पहले इन्होंने त्रिकोणमितीय श्रंखला विस्तार और घात श्रंखला की खोज की और सूर्यकेंद्रित मॉडल (हीलियोसेंट्रिक मॉडल) जैसे महत्वपूर्ण ग्रहों की गति के मॉडल विकसित किए, जिससे खगोलीय गणनाओं में क्रांति आ गई। इस प्रतिभाशाली गणितज्ञ को साइन और कोसाइन जैसे त्रिकोणमितीय फलनों के लिए अनंत श्रेणी विस्तारों में उनके अग्रणी कार्य के लिए जाना जाता है।

आधुनिक भारत के प्रमुख गणितज्ञों में शामिल हैं-

श्रीनिवास रामानुजन (1887-1920): रामानुजन की स्मृति में ही गणित दिवस मनाया जाता है। इन्होंने संख्या सिद्धांत, गणितीय विश्लेषण आदि में उल्लेखनीय योगदान दिया। विभाजन फलन, सतत भिन्न और अनंत श्रेणी जैसे क्षेत्रों में उनकी उत्कृष्ट खोजों ने 20वीं सदी में गणित के विकास को बहुत प्रभावित किया। उन्हें अपने समय में आधुनिक विश्व का सर्वश्रेष्ठ गणितज्ञ माना जाता था।

शकुंतला देवी

पी.सी. महालनोबिस (1893-1972 ईस्वी): महालनोबिस दूरी और फ्रैक्टाइल ग्राफिकल विश्लेषण इनके कुछ प्रमुख योगदान हैं।

सी. आर. राव (1920-2023): भारतीय-अमेरिकी गणितज्ञ और सांख्यिकीविद् सी. आर. राव का सांख्यिकी, अर्थशास्त्र, आनुवंशिकी और चिकित्सा जैसे विविध क्षेत्रों में महत्वपूर्ण योगदान रहा।

शकुंतला देवी (1929-2013): शकुंतला देवी को मानव-कंप्यूटर के नाम से जाना जाता था। वे कैलकुलेटर की सहायता के बिना अपनी त्वरित मानसिक गणनाओं के लिए विशेष रूप से प्रसिद्ध थीं। त्वरित मानसिक गणना के लिए उनका नाम गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में भी शामिल है। *

सिने ट्रेंड / अशोक वाधवाणी

कई हिंदी फिल्मों में क्रिश्चियन परिवेश, पात्रों और गीतों को बड़ी ही खूबसूरती से पेश किया जाता रहा है। कुछ फिल्में क्रिसमस सेलिब्रेशन से भी जुड़ी रही हैं। ऐसी ही कुछ फिल्मों पर एक नजर।

फिल्मों में क्रिश्चियन कैरेक्टर्स क्रिसमस सेलिब्रेशन

क्रिसमस, ईसाई धर्मावलंबियों का प्रमुख त्योहार है, जो भारत सहित विश्व भर में 25 दिसंबर को मनाया जाता है। इसे 'बड़ा दिन' भी कहते हैं। बीते दौर से लेकर हाल के वर्षों तक हिंदी में ऐसी कई सारी फिल्में बनती रही हैं, जिनमें क्रिसमस सेलिब्रेशन का जिक्र आया, उससे जुड़े गीत फिल्माए गए, मुख्य पात्र या फिर पूरी कहानी ईसाई समुदाय के इर्द-गिर्द घूमती रहती है। कई फिल्मों में तो ऐसे ईसाई पात्र दिखाए गए जो सिनेप्रेमियों के जेहन में आज भी दर्ज हैं।

ईसाई पात्र-परिवेश की कहानी: शोमैन राज कपूर ने ईसाई लड़की 'बॉबी' की कहानी पर फिल्म बनाई, जो हिट रही। 1973 में आई फिल्म 'बॉबी' में डिंपल कपाड़िया और ऋषि कपूर मुख्य भूमिकाओं में थे। हिंदू लड़के और क्रिश्चियन लड़की की इस जोड़ी को दर्शकों ने खूब पसंद किया। आगे चलकर, साल 1985 में इन्हीं डिंपल कपाड़िया और ऋषि कपूर को लेकर रमेश सिप्पी ने फिल्म 'सागर' बनाई। यह डिंपल कपाड़िया की कम-बैक फिल्म थी, जिसमें उन्होंने एक क्रिश्चियन लड़की मोना डी सिल्वा की भूमिका अदा की थी।

साल 1975 में आई फिल्म 'जूली' में एक्ट्रेस लक्ष्मी ने क्रिश्चयन लड़की जूली का लीड रोल प्ले किया था। साथ ही फिल्म के अन्य प्रमुख पात्र भी ईसाई धर्म से संबंध रखने वाले ही थे। इसी नाम से साल 2004 में एक बोल्ड फिल्म बनाई गई, जिसमें नेहा धूपिया ने गोवा में रहने वाली लड़की 'जूली' का रोल किया था। संजीव कुमार की फिल्म 'देवता' (1978) और 'चेहरे पे चेहरा' (1981) की कहानी ईसाई समाज और ईसाई पात्रों के ईर्द-गिर्द घूमती है।

नाना पाटेकर, मनीषा कोईराला और सलमान खान की फिल्म 'खामोशी : द म्यूजिकल' (1996) भी एक क्रिश्चियन परिवार के इर्द-गिर्द बुनी गई प्रेम कहानी है। इसके अलावा शबाना आजमी, मार्क रॉबिंसन, इरफान खान अभिनीत 'बड़ा दिन' (1998), और 'मैरी क्रिसमस' (2024) फिल्मों का नाम क्रिसमस फेस्टिवल पर रखा गया है। इन फिल्मों में इस धर्म-संस्कृति से जुड़े रीति-रिवाज, रहन-सहन, खान-पान, वेशभूषा आदि को भी बखूबी दर्शाया गया है।

यादगार पादरी के किरदार: ईसाई धर्मगुरु यानी पादरी को विशेष आदर, मान-सम्मान दिया जाता है। कई हिंदी फिल्मों में पादरी का कैरेक्टर निभाने वाले आर्टिस्ट्स को खूब सराहना मिली। 'दोस्त' (अभि भट्टाचार्य), 'अमर अकबर एंथोनी' (नाजिर हुसैन), 'तहलका' (जीतेंद्र), 'हत्या' (सत्येन कप्पू), 'खोज' (डैनी), 'देवता' (श्रीराम लागू) आदि कई फिल्में बनी हैं, जिनमें पादरियों के महत्वपूर्ण और यादगार रोल रहे।

कुछ पॉपुलर क्रिश्चियन कैरेक्टर: कई ऐसी फिल्में भी बनी हैं, जिनमें ईसाई कैरेक्टर या सहायक पात्र लोगों को खूब पसंद आए। 'अनाड़ी' में ललिता पवार का अपनी फिल्मी इमेज के विपरीत सहृदय ईसाई महिला मिसेज एल डीसा का अविस्मरणीय रोल था। ऐसे ही फिल्म 'गैंबलर' में जाहिरा, 'मेरा नाम जोकर' में सिमी ग्रेवाल, 'वो मैं नहीं' में आशा सचदेव, 'मजबूर' में प्राण, 'अल्बर्ट पिंटो को गुस्सा क्यों आता है' में नसीरुद्दीन शाह, 'जाने भी दो यारों' में सतीश शाह और 'अमर अकबर एंथोनी' में अमिताभ बच्चन द्वारा निभाया गया एंथोनी का कैरेक्टर लोग आज भी नहीं भूल पाए हैं।

गोवा में फिल्माई गई फिल्में: जब भी भारत में ईसाई परिवेश की बात होती है, गोवा का नाम सबसे पहले याद आता है। बॉलीवुड में ऐसी कई फिल्में बनीं, जिनकी अधिकतर शूटिंग गोवा में हुई। 'जोहर महमूद इन गोवा' (1965) में आई एस. जोहर और महमूद मुख्य भूमिका में थे। अमिताभ बच्चन की 'सात हिंदुस्तानी' (1969) और 'पुकार' (1983) इन तीनों फिल्मों की कहानी गोवा मुक्ति संग्राम पर आधारित थी। शाहरुख खान, सुचित्रा कृष्णमूर्ती अभिनीत 'कभी हां कभी ना' (1994) और शाहरुख खान, चंद्रचूड़ सिंह, ऐश्वर्या राय की फिल्म 'जोश' (2000) के मुख्य पात्र ईसाई ही थे। दोनों फिल्में गोवा में शूट की गईं। ऐसे ही दीपिका पादुकोण की फिल्म 'फाइंडिंग फैनी' (2014) गोवा में शूट हुई थी। इस फिल्म के सभी मुख्य पात्र ईसाई हैं। 'गो-गोवा-गॉन' (2013) गोवा में शूट की गई अलग टाइप की कॉमेडी, थ्रिलर है, जिसमें सैफ अली खान, कुणाल खेमू, पूजा गुप्ता आदि मुख्य भूमिकाओं में हैं। इस फिल्म के मुख्य पात्र भी क्रिश्चियन ही हैं। गोवा में शूट की गई अधिकतर फिल्मों में वहां के चर्च, बीच, ईसाई समुदाय के लोगों की जीवनशैली और संस्कृति को खूबसूरती से फिल्माया जाता रहा है। *

'अमर अकबर एंथोनी' में एंथोनी गोंसाल्वेस के रोल में अमिताभ

कई गीत भी हुए पॉपुलर

बॉलीवुड फिल्मों में ऐसे कई गाने भी बने हैं, जो पूरी तरह क्रिसमस से जुड़े हैं। इनमें से कुछ पॉपुलर भी हुए हैं। 'बचपन' फिल्म का गीत 'मदर मैरी, मां हम तेरे दुलारे हैं' प्रेयर है। 'शानदार' में संजीव कुमार सांता क्लॉज की वेशभूषा में गाते हैं, 'आता है, आता है, सांता क्लॉज आता है', 'जख्मी' में 'जिंगल बेल, जिंगल बेल, जिंगल ऑल द वे।' कई गीत ऐसे भी रचे हैं, जिनको सुनते ही समझ आ जाता है कि ये गीत या इसके पात्र ईसाई धर्म से जुड़े हुए हैं। फिल्म 'जमीर' में शम्मी कपूर पर फिल्माया गया गीत 'बड़े दिनों में खुशी का दिन आया...'। 'जूली' में प्रीती सागर की आवाज में अंग्रेजी गाना है, 'माइ हार्ट इज बीटिंग', 'जीते हैं शान से' में 'जूली-जूली जॉनी का दिल तुम पर आया जूली।' गाने में मिथुन चक्रवर्ती अपना प्रेम प्रकट करते हैं। 'सागर' में 'ओ मारिया, ओ मारिया' गाने में कमल हासन, डिंपल कपाड़िया की मस्ती देखने लायक है। 'देवता' का हटकर लिखा गाना है, 'चल बैठें चर्च के पीछे'। ये सभी गाने आज भी लोकप्रिय हैं।